

Question 1:

नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. दल्लि सल्लतनत के राजस्व प्रशासन में राजस्व वसूली के प्रभारी को 'आमलि' कहा जाता था ।
2. दल्लि के सुल्लतानों की इक्ता प्रणाली एक प्राचीन देशी संस्था थी ।
3. 'मीर बख्शी' का पद दल्लि के खलिजी सुल्लतानों के शासनकाल में अस्ततिव में आया ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- दल्लि सल्लतनत में कसिनो से सीधे राजस्व एकत्र करने और भूमि की माप का काम आमलिों पर नरिभर था । **अतः कथन 1 सही है ।**
- इक्ता प्रणाली विशेष रूप से फारस के बुईद राजवंश द्वारा पश्चिमि एशिया में वकिसति की गई, जसिने इस प्रणाली को औपचारिक रूप दिया ।
 - भारत में इक्ता को इल्लतुतमशि (मामलुक वंश) द्वारा एक संस्थागत दरजा प्रदान किया गया था ।
 - इक्ता प्रणाली के तहत साम्राज्य की भूमि को इक्ता नामक वभिन्न भागों में वभिजति कर अधिकारियों जिन्हें 'इक्तदार' के रूप में जाना जाता था, को सौंप दिया जाता था । **अतः कथन 2 सही नहीं है ।**
- गय्यास-उद-दीन बलबन (1266-1287 ई.) ने 'दीवान-ए-अरज़' नामक एक सैन्य वभिग की स्थापना की थी, जसिके तहत शाही सेना के गठन और रखरखाव के लिये 'अरज़ी-मामलकि' नामक अधिकारी ज़मिमेदार होता था ।
 - अलाउद्दीन खलिजी ने दीवान-ए-अरज़ वभिग की दक्षता बढ़ाने के लिये 'दाग' प्रणाली (यानी घोड़ों को चहिनति करना) की शुरुआत की जसिका उद्देश्य घोड़ों की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ उनकी गनिती की प्रणाली में सुधार लाना था ।
 - मीर बख्शी मुगलकालीन भारत के दौरान सैन्य वभिग के प्रमुख हुआ करते थे । **अतः कथन 3 सही नहीं है ।**

Question 2:

सहायक संधिप्रणाली के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर वचिार कीजयि:

1. भारत में इसकी शुरुआत लॉर्ड वेलेज़ली ने की थी ।
2. इसको अपनाने वाले भारतीय राज्य के शासक को अपने क्षेत्र के भीतर ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती स्वीकार करने के लयि मजबूर कयिा गया था ।
3. जब राज्य समय पर धन का भुगतान करने में वफिल रहा, तो उसे भुगतान के बदले में अपने क्षेत्रों के कुछ हसिंसों को कंपनी को सौंपने के लयि कहा गया ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन- से सही हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- सहायक संधिप्रणाली की शुरुआत फ्राँसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जोसेफ फ्रांकोइस डुप्लेक्स ने की थी, जनिहोंने 1740 के दशक के अंत में हैदराबाद के नज़ाम और कर्नाटक क्षेत्र में अनय भारतीय राजकुमारों के साथ संधयिों की थीं । संभवतः डुप्लेक्स ने ही सबसे पहले भारतीय शासकों को युद्ध लड़ने के लयि करिये पर यूरोपीय सेनाएँ दीं ।
 - सहायक गठबंधन प्रणाली का उपयोग लॉर्ड वेलेज़ली द्वारा कयिा गया था (जो 1798-1805 तक गवर्नर जनरल थे) भारत में साम्राज्य बनाने के लयि । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- इस प्रणाली के तहत, सहयोगी भारतीय राज्य के शासक को अपने क्षेत्र के भीतर ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती स्वीकार करने और उसके रखरखाव के लयि सबसडिी का भुगतान करने के लयि मजबूर कयिा गया था । अतः कथन 2 सही है ।
- अंतमि चरण में धन या सुरक्षा शुल्क आमतौर पर उच्च स्तर पर तय कयिा जाता था, जब राज्य समय पर धन का भुगतान करने में वफिल रहते थे तो उनसे भुगतान के बदले में अपने क्षेत्रों के कुछ हसिंसों को कंपनी को सौंपने के लयि कहा जाता था । अतः कथन 3 सही है ।

Question 3:

नमिनलखित युगों पर वचिार कीजयि:

युद्ध	संबंधति संधि

बक्सर का युद्ध	श्रीरंगपट्टनम की संधि
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	बसीन की संधि
पूना का युद्ध	इलाहाबाद की संधि

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलित हैं?

- केवल एक युग
- केवल दो युग
- सभी तीन युग
- इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- 22 अक्टूबर, 1764 को बक्सर के युद्ध के बाद मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और ईस्ट इंडिया कंपनी के रॉबर्ट क्लाइव के बीच 16 अगस्त, 1765 को इलाहाबाद की संधि पर हस्ताक्षर किये गए थे। अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।
- वर्ष 1792 की श्रीरंगपट्टनम की संधि ने तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध को समाप्त कर दिया। इसके हस्ताक्षरकर्ताओं में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से लॉर्ड कॉर्नवालिस तथा हैदराबाद के नज़ाम एवं मराठा साम्राज्य के प्रतिनिधि और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान शामिल थे। अतः युग 2 सही सुमेलित नहीं है।
- बसीन की संधि द्वारा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा संघ के पेशवा, बाजीराव द्वितीय के बीच एक समझौता हुआ था, इस पर पूना के युद्ध के बाद 31 दिसंबर, 1802 को वर्तमान बसीन में हस्ताक्षर किये गए थे। अतः युग 3 सही सुमेलित नहीं है।

Question 4:

बंगाल में द्वैध शासन प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. बंगाल में वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा द्वैध शासन प्रणाली शुरू की गई थी।
2. द्वैध शासन प्रणाली के तहत कंपनी ने बंगाल के सूबेदार से दीवानी कार्यों का अधिग्रहण किया।
3. इस प्रणाली के कारण प्रशासनिक व्यवस्था असंतुलित होने के साथ यह बंगाल के लोगों के लिये वनिशकारी साबित हुई।

उपर्युक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक

2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- रॉबर्ट क्लाइव ने बंगाल में द्वैध शासन प्रणाली (अर्थात कंपनी और नवाब दोनों का शासन) शुरू की थी, जिसमें दीवानी (अर्थात राजस्व एकत्र करना) और नज़ामत (अर्थात पुलिस और न्यायिक कार्य) दोनों कार्य कंपनी के नियंत्रण में आ गए। वॉरेन हेस्टिंग्स ने वर्ष 1772 में द्वैध शासन प्रणाली को समाप्त कर दिया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- कंपनी ने दीवानी के कार्य सम्राट से और नज़ामत के कार्य बंगाल के सूबेदार से प्राप्त किये थे। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- द्वैध शासन प्रणाली के कारण प्रशासनिक व्यवस्था असंतुलित हो गई और यह बंगाल के लोगों के लिये वनिाशकारी साबित हुई। इस दौरान प्रशासन तथा लोक कल्याण की परवाह न तो कंपनी और न ही नवाब को थी। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 5:

भारत में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शुरुआती उद्यमों के संबंध में नमिनलखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. अंग्रेज़ों ने भारत में अपनी पहली फैक्ट्री सूरत में स्थापित की थी।
2. सर थॉमस रो मुगल दरबार के पहले अंग्रेज़ राजदूत थे।
3. वर्ष 1757 में प्लासी के युद्ध से भारत में ब्रिटिश राजनीतिक प्रभुत्व की शुरुआत हुई थी।
4. अंग्रेज़ों ने शुरू में मसाला व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया तथा बाद में कपड़ा व्यापार की ओर रुख किया था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1, 2, और 3
4. केवल 2, 3 और 4

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर:D

व्याख्या:

- अंग्रेज़ों ने भारत में अपनी पहली फैक्ट्री सूरत में नहीं, बल्कमिसूलीपट्टनम में स्थापति की। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- सर थॉमस रो जहाँगीर के शासनकाल के दौरान मुगल दरबार में आने वाले पहले अंग्रेज़ी राजदूत थे। अतः कथन 2 सही है।
- वर्ष 1757 में प्लासी के युद्ध से भारत में ब्रिटिश राजनीतिक प्रभुत्व की शुरुआत हुई थी और यह युद्ध ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी तथा बंगाल के नवाब सरिज-उद-दौला के बीच हुआ था। अतः कथन 3 सही है।
- अंग्रेज़ों ने शुरू में मसाला व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया तथा बाद में अपना ध्यान कपड़ा व्यापार पर केंद्रित किया था। अतः कथन 4 सही है।

अतः विकल्प D सही है।

Question 6:

15वीं और 16वीं शताब्दी के दौरान भारत में पुर्तगालियों के संबंध में नमिन्लखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. भारत में पुर्तगालियों ने अपनी पहली फैक्ट्री कालीकट में स्थापति की थी।
2. कालीकट में वास्को डी गामा के आगमन के परिणामस्वरूप यूरोप से भारत तक प्रत्यक्ष समुद्री मार्गों की शुरुआत हुई थी।
3. अलबुकर्क की 'ब्लू वाटर पॉलिसी' की नीतिका उद्देश्य हिंद महासागर के व्यापार पर प्रभुत्व स्थापति करना था।
4. मसाला व्यापार में पुर्तगालियों के प्रभुत्व के कारण भारतीय मसाला व्यापारियों का पतन हुआ।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1, 2, और 3
4. केवल 3 और 4

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर:C

व्याख्या:

- पुर्तगालियों ने वर्ष 1500 में, कालीकट में भारत में अपनी पहली फैक्ट्री स्थापति की थी। अतः कथन 1 सही है।
- वर्ष 1498 में वास्को डी गामा के कालीकट आगमन के परिणामस्वरूप यूरोप से भारत तक प्रत्यक्ष समुद्री मार्गों की शुरुआत हुई थी। अतः कथन 2 सही है।

- अलबुकरक की 'बलू वाटर पॉलिसी' का उद्देश्य प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियंत्रण हासिल करके हृदि महासागर के व्यापार पर प्रभाव स्थापित करना था। अतः कथन 3 सही है।
- मसाला व्यापार में पुर्तगाली प्रभुत्व के कारण प्रत्यक्ष रूप से भारतीय मसाला व्यापारियों का पतन नहीं हुआ था बल्कि इसके परिणामस्वरूप अन्य यूरोपीय शक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा और संघर्ष को बढ़ावा मिला था। अतः कथन 4 सही नहीं है।

अतः विकल्प C सही है।

Question 7:

निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

अधिकारी	कार्य
1. बरीद	संदेश लेखक
2. वाकिया नवीस	गुप्तचर अधिकारी
3. मीर समन	शाही सामान का प्रभारी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 2 और 3
4. केवल 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

मुगल प्रशासन के अंतर्गत विभिन्न अधिकारी

- कानूनगो: ये वंशानुगत ज़मींदार के साथ-साथ स्थानीय अधिकारी भी होते थे।
- फौजदार: कानून-व्यवस्था का प्रभारी।
- अमलगुज़ार: भू-राजस्व का आकलन और संग्रह करने वाले अधिकारी।
- वजीर: राजस्व विभाग का प्रमुख
- मीर बख्शी: सैन्य विभाग का प्रमुख
- बरीद: गुप्तचर विभाग का अधिकारी
- वाकिया नवीस: संदेश लेखक
- मीर समन: शाही सामान का प्रभारी

Question 8:

नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. पुरतगाली गवरनर अलबुकरक, कृषणदेव राय के समकालीन थे ।
2. कृषण देव राय ने यवनराज स्थापनाचार्य अर्थात यवन साम्राज्य के पुनरस्थापक की उपाधिधारण की ।
3. कृषण देव राय ने तेलुगु और संस्कृत दोनों में कतिबें लखिीं ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

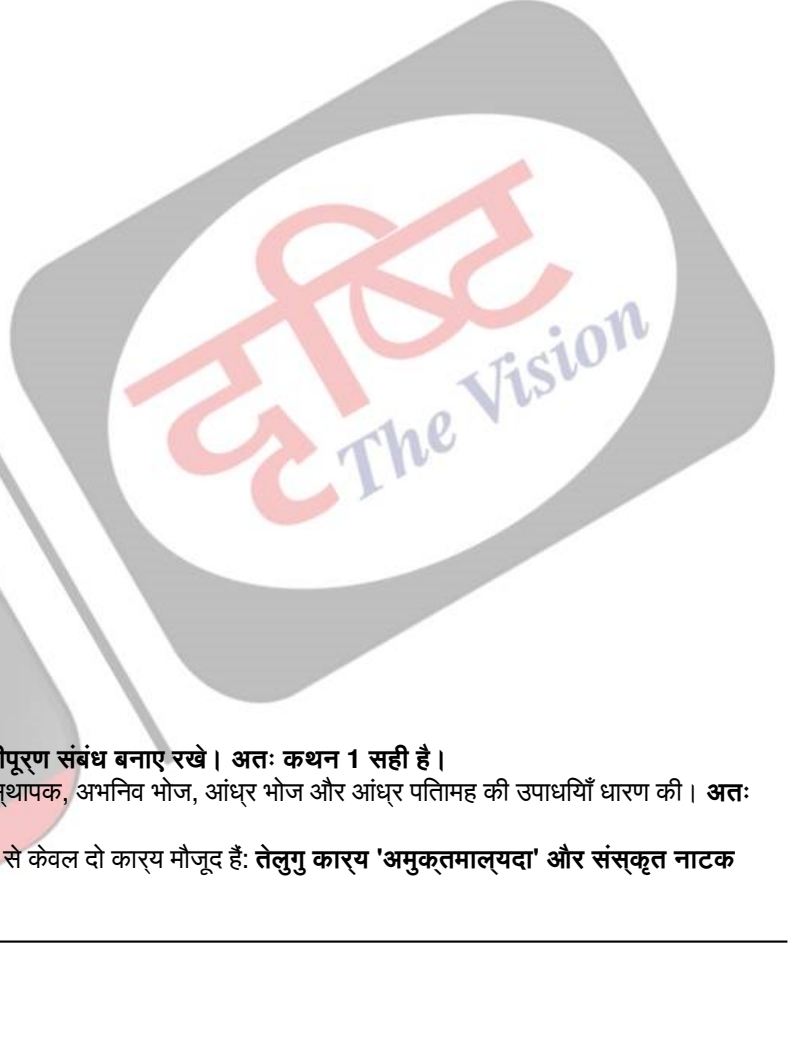
- कृषण देव राय ने पुरतगाली गवरनर अलबुकरक के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे । अतः कथन 1 सही है ।
- उन्होंने यवनराज स्थापनाचार्य यानी यवन साम्राज्य के पुनरस्थापक, अभनिव भोज, आंध्र भोज और आंध्र पतिमह की उपाधियाँ धारण की । अतः कथन 2 सही है ।
- वह तेलुगु और संस्कृत दोनों के प्रतभिशाली वद्विान थे, जनिमें से केवल दो कार्य मौजूद हैं: तेलुगु कार्य 'अमुक्तमाल्यदा' और संस्कृत नाटक 'जांबवती कल्याणम' । अतः कथन 3 सही है ।

Question 9:

शवािजी के अष्ट-प्रधान के संबंध में नमिनलखिति युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

1. सर-ए-नौबत - सेनापति
2. पंडति राव - समारोहों का दायतिव
3. सुमंत - धर्मार्थ और धार्मकि प्रशासन

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:



1. केवल 1 और 2
2. केवल 1
3. केवल 2 और 3
4. केवल 1 और 3

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- शिवाजी एक महान प्रशासक थे। उन्होंने प्रशासन की एक प्रभावी प्रणाली की नींव रखी। सरकार का प्रधान राजा होता था। अष्टप्रधान नामक मंत्रपरिषद उसकी सहायता करती थी। हालाँकि प्रत्येक मंत्री सीधे शिवाजी के प्रति उत्तरदायी था।
1. **पेशवा** - वतित और सामान्य प्रशासन। बाद में यह प्रधानमंत्री का पद बन गया था।
 2. **सर-ए-नौबत या सेनापति** - सैन्य कमांडर, यह एक मानद पद था।
 3. **अमात्य** - महालेखाकार।
 4. **वाक्यानवीस** - गुप्तचर, डाक एवं घरेलू मामलों की देख-रेख करता था।।
 5. **सचिव** - पत्राचार।
 6. **सुमंत** - वदिश मंत्री।
 7. **न्यायाधीश** - न्याय।
 8. **पंडति राव** - धर्मार्थ और धार्मिक प्रशासन

Question 10:

सखि गुरुओं के बारे में नमिनलखिति कथनों पर वचार कीजयि:

1. गुरुमुखी लपिका प्रतपिादन सखिों के दूसरे गुरु अंगद ने कयिा था जो थे।
2. गुरु अरजुन देव ने आदि गिरंथ का संकलन कयिा था जो सखिों का पवतिर गिरंथ है।
3. आदि गिरंथ के पूरा होने के उपलक्ष्य में प्रतविर्ष आदि महोत्सव मनाया जाता है।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 1 और 3
3. केवल 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- 10 गुरुओं में से दूसरे गुरु गुरु अंगद देव ने गुरुमुखी (पंजाबी का लिखित रूप) लिपि का प्रतीपादन किया था। उन्होंने गुरु नानक देव द्वारा शुरू किये गए लंगर की व्यवस्था को लोकप्रिय बनाने के साथ वसितारति किया था। अतः कथन 1 सही है।
- साखी के पवित्र ग्रंथ, आदिग्रंथ का संकलन गुरु अर्जुन देव ने किया था। उन्होंने गोइंदवाल साहिब के पास में तरनतारन साहिब शहर की स्थापना की थी। सम्राट जहाँगीर के आदेश पर उन्हें मृत्युदंड की सजा देने के बाद शहीदों के सरताज की उपाधि से सम्मानित किया गया था। अतः कथन 2 सही है।
- आदि महोत्सव, वर्ष 2007 से जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत TRIFED द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव है। इसमें जनजातीय संस्कृति, शिल्प, गैस्ट्रोनामी, व्यापार और पारंपरिक कला का आयोजन होता है। अतः कथन 3 सही नहीं है।
- वर्ष 2023 की इसकी थीम "आदिविासी शिल्प, संस्कृति, भोजन और वाणज्य की भावना का उत्सव" है। यह महोत्सव आदिविासी कारीगरों को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के साथ-साथ अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं को बेचने के लिये एक मंच प्रदान करता है। यह भारत की विविध जनजातीय वरिासत और उनकी रचनात्मकता का उत्सव है।

Question 11:

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन का नेतृत्व अलवार नामक संत कवियों ने किया था।
2. भक्ति आंदोलन में मोक्ष की प्राप्ति हेतु अनुष्ठान और समारोह करने पर बल दिया गया था।
3. उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन का प्रसार रामानंद ने किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 1 और 3
3. केवल 2 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- भक्ति आंदोलन इस सिद्धांत पर आधारित था कि ईश्वर और मनुष्य के बीच संबंध किसी भी अनुष्ठान या धार्मिक समारोह को करने के बजाय प्रेम और पूजा के माध्यम से स्थापित होता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- दक्षिण भारत में अलवर संतों द्वारा भक्ति आंदोलन शुरू किया गया था और उत्तर भारत में इसका प्रसार रामानंद ने किया था। अतः कथन 1 और 3 दोनों सही हैं।

Question 12:

'वैभाषिक' नमिनलखिति में से कसि एक का उप-भाग हे?

1. जैन धर्म
2. आजीवकि
3. बौद्ध धर्म
4. वैष्णव धर्म

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- सर्वास्तविाद, (संस्कृत: "डॉक्टरनि दैट ऑल इज रयिल") को वैभाषिक भी कहा जाता है, जो प्रारंभिक बौद्ध धर्म की एक शाखा है। अतः विकल्प C सही है।
- बौद्ध तत्त्वमीमांसा में एक मौलिक अवधारणा धर्मों, लौकिक (cosmic) कारकों और घटनाओं के अस्तित्व की धारणा है जो किसी व्यक्ति के पछिले कर्मों के प्रभाव में एक व्यक्ति के जीवन प्रवाह को बनाने के लिये क्षणिक रूप से जोड़ती है, जसि वह अपना व्यक्तित्व मानता है। इन धर्मों की सत्तामीमांसीय वास्तविकता के वषिय में वभिनिन प्रारंभिक बौद्ध शाखाओं में मतभेद उत्पन्न हुए।
- जबकि, सभी बौद्धों की तरह, सर्वास्तविादी हर चीज को अनुभवजन्य मानते हैं जो कि निश्वर है, वे मानते हैं कि धर्म कारक शाश्वत रूप से मौजूद वास्तविकताएँ हैं। माना जाता है कि धर्म क्षणिक रूप से कार्य करते हैं, वशिव की अनुभवजन्य घटना का निर्माण करते हैं, जो भ्रामक है लेकिन अनुभवजन्य वशिव के बाहर मौजूद है। इसके विपरीत, सौत्रांतिकों (जिनके लिये सूत्र या शास्त्र, आधिकारिक हैं) ने कहा कि धर्म कारक शाश्वत नहीं बल्कि क्षणिक हैं और केवल वास्तव में वदियमान धर्म ही वर्तमान में कार्य कर रहे हैं।
- सर्वास्तविाद शाखा को दूसरी शताब्दी-सीई की टीका महावभिा ("महान व्याख्या") के कारण वैभाषिक के रूप में भी जाना जाता है। बौद्ध धर्म की महायान परंपरा में अपने रूपांतरण से पहले, इस पाठ पर अपने अभिधर्मकोष में 4वीं- या 5वीं शताब्दी के महत्त्वपूर्ण बौद्ध वचिरक वसुबंधु द्वारा टपिणी की गई थी। इस प्रकार, सर्वास्तविाद शाखा के तत्त्व महायान वचिरधारा को प्रभावित करने लगे।

Question 13:

अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण करने और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण क्या था?

1. वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के नषिकासन का बदला लेना चाहता था ।
2. उसे जालंधर के कुंठाग्रस्त राज्यपाल आदनि बेग खान ने पंजाब पर आक्रमण करने के लिये आमंत्रित किया ।
3. वह मुगल प्रशासन को चहार महल (गुजरात, औरंगाबाद, सयालकोट और पसूर) के राजस्व का भुगतान न करने के लिये दंडित करना चाहता था ।
4. वह दिल्ली की सीमाओं तक के पंजाब के सभी उपजाऊ मैदानों को हड़पकर उनका वलिय अपने राज्य में करना चाहता था ।

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- वर्ष 1758 में रघुनाथ राव के अधीन मराठा बलों ने पंजाब में प्रवेश किया और अहमद शाह अब्दाली के पुत्र तैमूर को वहाँ से बाहर निकाल दिया । अब्दाली ने अपने पुत्र को पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया था जसि अपदस्थ कर मराठों ने आदीन बेग खान को अपना राज्यपाल नियुक्त कर दिया । मराठों की पंजाब वजिय अब्दाली के लिये सीधी चुनौती थी और अब्दाली ने इस चुनौती को स्वीकार कर लिया ।
- परणामस्वरूप मराठों और अहमद शाह अब्दाली के बीच वर्ष 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ी गई । इस युद्ध में अफगानों की जीत हुई और मराठों की अपने शासन के अधीन भारत को एकजुट करने की महत्त्वाकांक्षा को भी धक्का लगा । **अतः विकल्प A सही है ।**

Question 14:

नम्निलिखित युगों पर विचार कीजिये:

नीति	संबंधित गवर्नर जनरल
नषिक्रयिता की नीति	जॉन लॉरेंस
प्राउड रज़िर्व की नीति (Policy of Proud Reserve)	ऑकलैंड
घेरे की नीति	वरिन हेस्टिंग्स

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलित हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीन युगम
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- **जॉन लॉरेंस (1864-69)** ने नष्क्रियता की नीति अपनाई जो प्रथम अफगान युद्ध की प्रतिक्रिया, व्यावहारिक ज्ञान तथा सीमांत क्षेत्रों की समस्या के गहन अध्ययन एवं स्वतंत्रता के लिये अफगानिस्तान के जुनून का परिणाम थी। **अतः युगम 1 सही सुमेलित है।**
- **लटिन** ने 'प्राउड रज़िर्व की नीति' अपनाई जिसका उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों की रक्षा करना था। लटिन के अनुसार अफगानिस्तान के साथ संबंधों को अब अस्पष्ट नहीं छोड़ा जा सकता था।
 - वर्ष 1836 में गवर्नर-जनरल बनकर भारत आए ऑकलैंड ने फॉरवर्ड नीति को अपनाया। इसका तात्पर्य यह था कि भारत में कंपनी को ब्रिटिश भारत की सीमा को संभावित रूसी हमले से बचाने के लिये स्वयं पहल करनी होगी। **अतः युगम 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **वॉरेन हेस्टिंग्स** ने ब्रिटिश शासन के दौरान उस महत्त्वपूर्ण अवधि हेतु गवर्नर जनरल के रूप में कार्यभार संभाला जब अंग्रेजों को मराठों, मैसूर और हैदराबाद जैसी ताकतों का सामना करना पड़ा था।
 - **उसने घेरे की नीति** का पालन किया जिसका उद्देश्य कंपनी की सीमाओं की रक्षा के लिये बफर ज़ोन बनाना था। **अतः युगम 3 सही सुमेलित है।**

Question 15:

भारतीय इतिहास में प्रयुक्त शब्द 'आयंगर' के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

1. आयंगर, प्राचीन भारत में चोल सेना में युद्ध करने वाले योद्धाओं का एक समूह था।
2. आयंगर, व्यापारियों का एक समूह था जो 18वीं शताब्दी में भारत से यूरोप में मसालों के निर्यात में संलग्न था।
3. आयंगर, हिमालय में कठोर तपस्या और ध्यान करने वाले तपस्वियों का एक संप्रदाय था।
4. आयंगर, वजियनगर में ग्राम प्रशासन के पदाधिकारी थे।

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- आर्यंगर प्रणाली वजियनगर साम्राज्य में ग्राम प्रशासन की एक प्रमुख विशेषता थी। आर्यंगर के नाम से जाने जाने वाले 12 पदाधिकारियों का एक नकियाय गाँव के प्रशासन के विभिन्न मामलों को देखता था। **अतः विकल्प D सही है।**
- इनको कर मुक्त भूमिमान्यम दी गई थी।

Question 16:

नमिनलखिति में से कतिने वदिवान अकबर के दरबार में नवरत्न के रूप में सुशोभति थे?

1. राजा टोडरमल
2. मुल्ला दो-प्याज़ा
3. फ़ैज़ी

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

मुगल शासक अकबर के दरबार में नौ बुद्धिजीवी थे जिन्हें नवरत्न या नौ रत्न कहा जाता था।

अकबर के दरबार के नवरत्न:

- **मुल्ला दो प्याज़ा:** उन्होंने अकबर के सलाहकार के रूप में कार्य किया।
- **राजा टोडरमल:** पूरे मुगल साम्राज्य में सबसे प्रतिष्ठित वित्त मंत्री।
- **फ़ैज़ी:** मुगल दरबार के एक प्रसिद्ध कवि और वदिवान।
- **राजा बीरबल:** उन्होंने अकबर के दरबार में दरबारी वद्विषक की भूमिका निभाई।



- **अबुल फज़ल:** अपने कार्य, अकबरनामा के लेखन के लिये प्रसिद्ध।
- **तानसेन:** हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे दगिगजों में से एक।
- **अबदुल रहीम खान-ए-खाना:** मुगल साम्राज्य में सबसे प्रतषिठति कवयिों और सैन्य प्रमुखों में से एक।
- **राजा मान सहि:** अकबर की सेना के एक भरोसेमंद सैन्य प्रमुख।
- **फकीर अज़ियाओ-दीन:** वह एक सूफी फकीर और सलाहकार थे।

उपरयुक्त तीनों वदिवान अकबर के दरबार में नवरत्न के पद पर सुशोभति थे।

Question 17:

मुगलों के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. बाबर ने अपने प्रशासन में मनसबदारी प्रणाली की शुरुआत की थी।
2. हुमायूँ ने चार-बाग और सममति रूप से बनाए गए उद्यानों की शुरुआत की थी।
3. अकबर ने दलिली में एक नया शहर बसाया जसिका नाम उसने "दीनपनाह" रखा था।

उपरयुक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- अकबर ने अपने प्रशासन में मनसबदारी प्रणाली की शुरुआत की थी। इस प्रणाली में प्रत्येक अधिकारी को एक पद सौपा गया था। इन श्रेणियों को जात और सवार में वभिजति कयिा गया था।
 - जात- यह अधिकारी की वयकतगित स्थति एवं वेतन को नशिचति करता था।
 - सवार-इससे इंगति होता है कएक अधिकारी को कतिने घुडसवार सैनकों को अपने अंतरगत रखना आवश्यक है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- 16वीं शताब्दी में चार-बाग बगीचा प्रणाली को बाबर द्वारा ईरान से भारतीय उपमहाद्वीप में लाया गया था। इस परंपरा से मुगल उद्यानों का वकिस हुआ जसिकी उत्कृष्टता को ताजमहल में देखा जा सकता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- हुमायूँ वर्ष 1530 में गद्दी पर बैठा और 1533 में उसने एक नये शहर दीनपनाह की स्थापना की थी। अतः कथन 3 सही नहीं है।

Question 18:

नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

साहति्य	लेखक
1.तबकात-ए नासरी	अमीर खुसरो
2.शाहनामा	फरिदौसी
3.नुह सपिहर	मनिहाज-उस-सरिज

उपरयुक्त में से कतिने युगम सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीन युगम
4. इनमें से कोई भी युगम नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- तबकात-ए नासरी को वर्ष 1260 में मनिहाज-ए-सरिज द्वारा फारसी में लिखा गया था। अतः युगम 1 सही सुमेलति नहीं है।
- शाहनामा, फारसी कवि फरिदौसी द्वारा लिखित एक महाकाव्य कविता है। लगभग 50,000 दोहे (दो-पंक्ति छंद) से युक्त यह ग्रंथ विश्व की सबसे बड़ी महाकाव्य कविताओं में से एक है और एक ही लेखक द्वारा रचित यह सबसे लंबी महाकाव्य कविता है। अतः युगम 2 सही सुमेलति है।
- अमीर खुसरो प्रतापशाली लेखक थे और उन्होंने करिब-उस-सादेन, मफिताहुल-फुतूह, शीरी व खुसरो, हशत-बहशित, दवल रानी खजिर खाँ या इशकिया या खजिरनाम, मतलौल अनवर, खज़ाइन-उल-फुतूह एवं नुह सपिहर के रूप में प्रमुख रचनाएँ कीं। अतः युगम 3 सही सुमेलति नहीं है।

Question 19:

नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

वदिशी यात्री	नवासि स्थान
1.नकिोलो डी कॉटी	पुरतगाल
2.डुआरटे बारबोसा	इटली
3.अबदुर रज्जाक	मोरक्को

उपरयुक्त में से कतिने युगम सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीन युगम
4. इनमें से कोई भी युगम नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

भारत सदियों से वदिशी यात्रियों के लिये एक गंतव्य रहा है जिससे खोजकर्त्ताओं, व्यापारी, वदिवान और साहसी लोग यहाँ आकर्षति हुए हैं। वजियनगर साम्राज्य का दौरा करने वाले वदिशी यात्री नमिनलखिति थे:

यात्रियों का नाम	नवास स्थान
अबू अबदुलला/इबन बतूता	मोरक्को
निकोलो डी कॉटी	इटली। अतः युगम 1 सही सुमेलति नहीं है।
अबदुर रज्ज़ाक	फारस। अतः युगम 3 सही सुमेलति नहीं है।
अथानासयिस नकितिनि	रूस
लुडविको डी वोरथेमा	इटली
डुआरटे बारबोसा	पुरतगाल। अतः युगम 2 सही सुमेलति नहीं है।
डोमिंगो पायस	पुरतगाल
फरनाओ नुनज़ि	पुरतगाल
मारको पोलो	वेनिसि गणराज्य

Question 20:

नमिनलखिति वदिवानों पर वचिर कीजयि:

1. अल्लासानी पेडन्ना
2. नंदी थमिमन
3. तेनाली रामकृषण

उपरयुक्त में से कतिने वदिवान कृषणदेवराय के दरबार में अष्टदगिगज के रूप में सुशोभति थे?

1. केवल एक
2. केवल दो

3. सभी तीन

4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

अष्टदशगिज सम्राट कृष्णदेवराय के दरबार में आठ महान तेलुगू वदिवानों और कवयियों को दी जाने वाली सामूहिक उपाधि थी।

ये वदिवान थे:

- अल्लासानी पेदना। अतः विकल्प 1 सही है
- नंदी थमिमन। अतः विकल्प 2 सही है।
- मदययागरी मल्लाना
- धृजत्ति
- पगिली सुराण
- रामराजभुसंडु
- तेनाली रामकृष्ण। अतः विकल्प 3 सही है।

Question 21:

नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

1. तकावी ऋण – अलाउद्दीन खलिजी
2. बटाईदारी कृषिप्रणाली – गयासुद्दीन तुगलक
3. खेती वाली भूमिको मापना– सकिंदर लोधी

उपरयुक्त युगमों में से कतिने युगम सही सुमेलति हैं?

1. कोई भी युगम नहीं
2. केवल एक युगम
3. केवल दो युगम
4. सभी तीनों युगम

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- मोहम्मद बनि तुगलक ने एक नए कृषिविभाग, दीवान-ए-अमीर-कोही की स्थापना की। उसने एक योजना शुरू की थी जिसके तहत किसानों को बीज खरीदने और खेती का विस्तार करने के लिये तकावी ऋण दिया गया था। अतः युग 1 सही नहीं है।
- गयासुद्दीन तुगलक ने भारत में बटाईदारी प्रणाली की शुरुआत की थी। उसने सबसे पहले सचिाई के लिये कुएँ और नहरें खुदवाना शुरू किया था। अतः युग 2 सही है।
- अलाउद्दीन खलिजी एक शक्तिशाली शासक था। उसने दलिली सल्तनत की सीमाओं को वधिय से आगे दक्कन तक विस्तारित किया था। वह एक महान प्रशासक था। अपनी सेना को बनाए रखने के लिये, अलाउद्दीन खलिजी ने खेती वाली भूमि को मापने का आदेश दिया था। ऐसा करने वाला वह पहला शासक था। इसने भूमि को विभाजित कर उर्वरता के अनुसार भू-राजस्व को निर्धारित किया था। अतः युग 3 सही नहीं है।
- उसके अन्य सुधारों में शामिल थे:
 - भ्रष्टाचार को रोकने के लिये उसने घोड़ों की पहचान निर्धारित करने के साथ सैनिकों के वर्णनात्मक रोस्टर की प्रणाली शुरू की थी।
 - उसने आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तय की थीं जो सामान्य बाज़ार दरों से कम थीं।
 - उसने कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाई थी।
 - राजस्व को नकद में एकत्र करने पर बल दिया गया था न कि वस्तु के रूप में।
 - उसने हदियों के प्रताभेदभावपूर्ण नीतियों का पालन किया और हद्वि समुदाय पर जजिया, चराई कर और गृह कर आरोपित किया।

Question 22:

दल्लि सल्तनत के प्रशासन के संबंध में नमिनलखित युगों पर वचिर कीजिये:

1. दीवान-ए-इशा: पत्राचार वधिय
2. दीवान-ए-अरज़: वतित वधिय
3. दीवान-ए-रसालत: वाणजिय वधिय

उपरयुक्त युगों में से कतिने युग सही सुमेलित हैं?

1. कोई भी युग नहीं
2. केवल एक युग
3. केवल दो युग
4. सभी तीनों युग

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

वर्ग	अर्थ	कार्य
दीवान-ए-रसालत	धार्मिक मामलों का वर्ग	वर्दीशी और राजनयिक मामलों से संबंधित
दीवान-ए-कज़ा	न्याय वर्ग	न्यायिक मामलों से संबंधित
दीवान-ए-खैरात	दान वर्ग	दान के मामलों से संबंधित
दीवान-ए-अर्ज़	सैन्य वर्ग	शाही सेना को बनाए रखने और सैनिकों की भरती से संबंधित। इसे बलबन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
दीवान-ए-कोही	कृषि वर्ग	राज्य में कृषि गतिविधियों के प्रबंधन से संबंधित। इस वर्ग की स्थापना मुहम्मद बनि तुगलक ने की थी।
दीवान-ए-इंशा	पत्राचार वर्ग	शाही पत्राचार से संबंधित। सुल्तानों द्वारा निर्धारित नियम ही कानून का आधार थे।
दीवान-ए-बंदगान	दास वर्ग	दासों के मामलों से संबंधित

अतः युग्म 1 सही है और युग्म 2 तथा 3 सही नहीं हैं।

Question 23:

तुर्की शासकों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दिल्ली सल्तनत की स्थापना में तुर्की शासकों ने महत्वपूर्ण भूमिका नहीं थी।
2. वे शुरू में हदुओं के प्रति अपनी धार्मिक सहिष्णुता के लिये जाने जाते थे।
3. तुर्की शासकों ने भारत में इक्ता प्रणाली की शुरुआत की थी।

उपर्युक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- तुर्की शासकों (विशेषकर कुतुब-उद-दीन ऐबक) ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं थी। अतः विकल्प 1 सही है।

2. फरिदौसी, महमूद के दरबार में एक कविता ।
3. गज़नी के महमूद ने भारतीय उपमहाद्वीप में फारसी संस्कृतिके प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाई थी ।

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर सही विकल्प चुनिये:

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2, और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- गज़नी के महमूद ने भारत पर कई बार आक्रमण किया और सोमनाथ मंदिर को लूटा । अतः कथन 1 सही है ।
- फरिदौसी, महमूद के दरबार में एक कविता । अतः कथन 2 सही है ।
- गज़नी के महमूद ने भारतीय उपमहाद्वीप में फारसी संस्कृतिके प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाई । अतः कथन 3 सही है ।

Question 26:

नमिनलखिति में से कसि शहर को अक्सर 'जैन काशी' के रूप में जाना जाता है?

1. हम्पी
2. वैशाली
3. मूडबदिरी
4. उज्जैन

दृष्टि
The Vision

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

कर्नाटक के दो तटीय शहर **मूडबदिरी** और **करकला**, हजारों साल पहले के अपने प्राचीन जल नकियों को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

- ये जल नकियां इन शहरों की **प्राकृतिक वरिष्ठ** और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, जो अपने **जैन मंदिरों** एवं मठों के लिये भी जाने जाते हैं।
- **मूडबदिरी** शहर को 'जैन काशी' (जैनियों का बनारस) के रूप में जाना जाता है। यह **जैन मंदिरों (बसद और नशिदि)** के साथ-साथ मठों का भी केंद्र है।

अतः विकल्प C सही है।

Question 27:

भारत छोड़ो आंदोलन (QIM) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कम्युनिस्टों ने भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन किया।
2. आंदोलन में भाग लेने के दौरान हिंदू महासभा और युवा सबसे आगे थे।
3. गांधी ने समानांतर सरकारों के रूप में जनता द्वारा हिंसा की निंदा करने के लिये उपवास शुरू किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 1, 2 और 3
4. सभी कथन सही हैं।

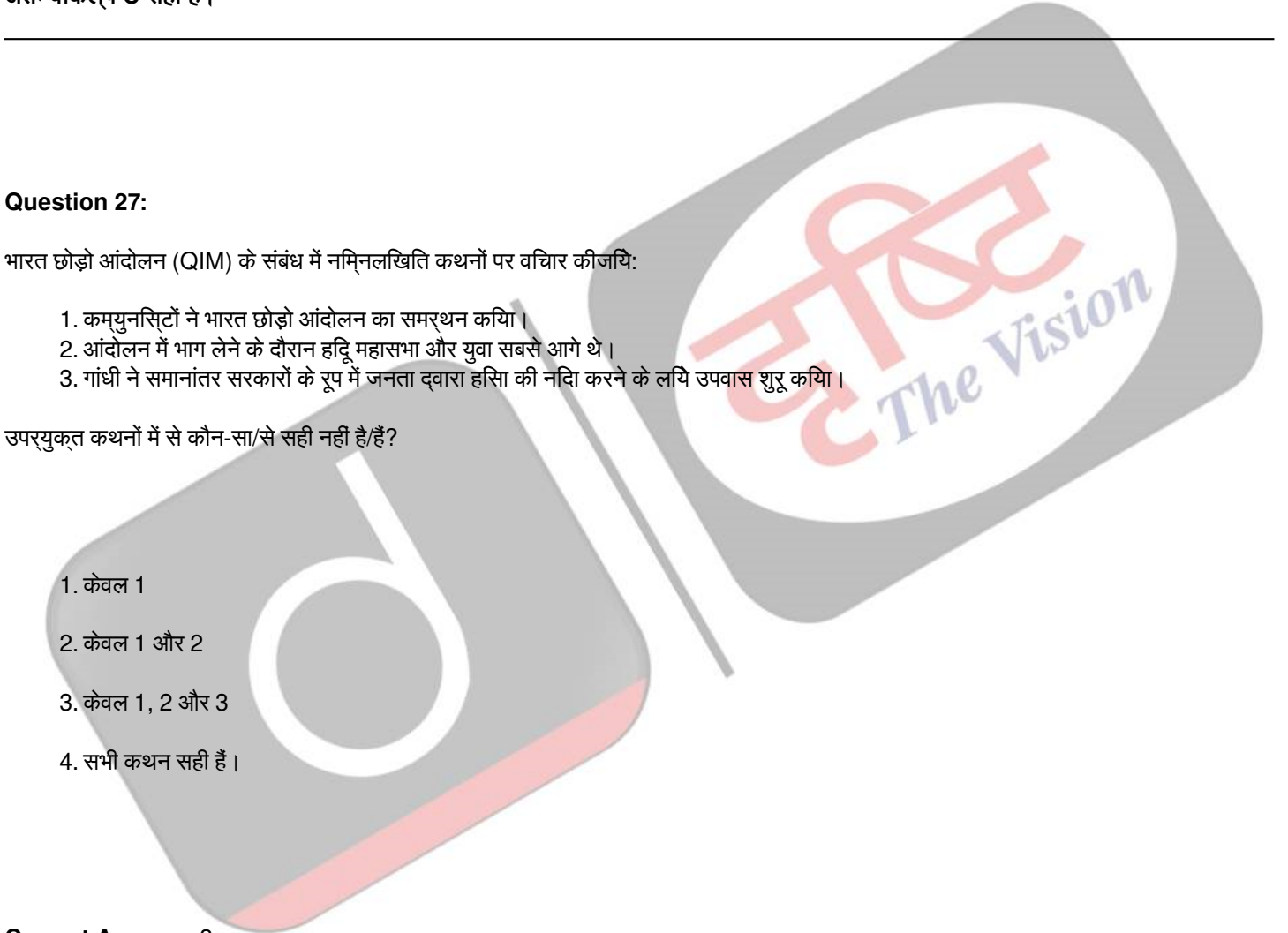
Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत छोड़ो आंदोलन: जन भागीदारी की सीमा:



- युवा वशिषकर स्कूल और कॉलेजों के छात्र सबसे आगे रहे।
- मज़दूरों ने हड़तालें कीं और दमन का सामना किया।
- सभी तबकों के किसान आंदोलन के केंद्र बंदि थे। कुछ ज़मींदारों ने भी भाग लिया। इन किसानों की आक्रमण रणनीति सत्ता के प्रतीकों पर केंद्रित थी और जिसमें ज़मींदार वरिधी हिसा का पूर्ण अभाव था।
- भूमिगत कार्यकर्त्ताओं को आश्रय देकर **मुसलमानों ने मदद की।** आंदोलन के दौरान कोई सांप्रदायिक झड़प नहीं हुई।
- **कम्युनसिट आंदोलन में शामिल नहीं हुए; नाजी जर्मनी द्वारा रूस (जहाँ कम्युनसिट सत्ता में थे) पर हमला किये जाने के मद्देनजर, कम्युनसिटों ने जर्मनी के खिलाफ ब्रिटिश युद्ध का समर्थन करना शुरू कर दिया और 'साम्राज्यवादी युद्ध' 'पीपुल्स वॉर' बन गया। अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- **मुसलमि लीग** ने इस आंदोलन का वरिधी किया, उन्हें डर था कि अगर उस समय अंगरेज़ भारत छोड़कर चले गए, तो अल्पसंख्यकों को हडिओं द्वारा प्रताड़ित किया जाएगा।
- **हदि महासभा ने आंदोलन का बहिष्कार किया। रयिसतों ने धीमी प्रतिक्रिया दिखाई। अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- **गांधी का उपवास:** फरवरी 1943 में, गांधी ने हिसा की नदि करने के लिये सरकार का आह्वान किया; उपवास राज्य की हिसा के खिलाफ नरिदेशित किया गया था। अतः कथन 3 सही नहीं है।
 - अनशन के समाचार की लोकप्रिय प्रतिक्रिया तत्काल और जबरदस्त थी। हड़तालें, प्रदर्शनों और हड़तालें के माध्यम से देश और वदिश में वरिधी प्रदर्शन आयोजित किये गए। वायसराय की कार्यकारी परिषद के तीन सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

Question 28:

गोलमेज सम्मेलन के संबंध में नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजिये:

1. प्रथम गोलमेज सम्मेलन में इस बात पर सहमत हुई कि रक्षा और वत्त को छोड़कर सभी वभिगों को स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
2. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भारत के संवैधानिक भवषिय पर चर्चा हुई और नरिणय लिया गया।
3. गोलमेज सम्मेलन ने 1935 के भारत सरकार अधिनियम के लिये मसौदा वधियक प्रस्तावित किया।

उपरयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 3
3. केवल 2 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर : B

व्याख्या:

- **प्रथम गोलमेज सम्मेलन:** सम्मेलन में कुछ वशिष प्राप्त नहीं हुआ। आम तौर पर यह सहमत थी कि भारत को एक संघ के रूप में वकिसति होना था, रक्षा और वत्त के संबंध में सुरक्षा उपाय होने थे, जबकि अन्य वभिगों को स्थानांतरित किया जाना था। **अतः कथन 1 सही है।**
- **दूसरा गोलमेज सम्मेलन:** कई प्रतनिधि समूहों के बीच समझौतों में असहमत का मतलब था कि सम्मेलन से भारत के संवैधानिक भवषिय के बारे में कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- **तीसरा गोलमेज सम्मेलन:** इसमें भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस और गांधी ने भाग नहीं लिया था। इसे अधिकांश अन्य भारतीय नेताओं द्वारा अनदेखा किया गया था।
 - सफारिशों मार्च 1933 में एक श्वेत पत्र में प्रकाशित हुईं और बाद में ब्रिटिश संसद में इस पर बहस हुई। सफारिशों का विश्लेषण करने और भारत के लिये एक नया अधिनियम तैयार करने के लिये एक संयुक्त प्रवर समिति का गठन किया गया था और उस समिति ने फरवरी 1935 में एक मसौदा वधियक पेश किया, जिसे जुलाई 1935 में भारत सरकार अधिनियम 1935 के रूप में लागू किया गया था। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 29:

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

1. रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह
2. भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत
3. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

1. 1 - 2 - 3
2. 2 - 1 - 3
3. 3 - 2 - 1
4. 3 - 1 - 2

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर : (c)

व्याख्या:

- **रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह:** यह फरवरी 1946 में शुरू हुआ, जब रेटगिंस के नाम से जाने जाने वाले गैर-कमीशन अधिकारियों और नाविकों के एक वर्ग ने ब्रिटिश अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह किया। यह बेहतर भोजन और आवास की मांग को लेकर हड़ताल के रूप में शुरू हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल और मुहम्मद अली ज़िन्ना के हस्तक्षेप से विद्रोह समाप्त हो गया। विद्रोहियों ने 23 फरवरी, 1946 को आत्मसमर्पण कर दिया। महात्मा गांधी ने अगस्त 1942 में अंगरेजों के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन नामक आंदोलन का एक नया चरण शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने जनता को 'करो या मरो' का नारा दिया और उन्हें अहसिक तरीके से विरोध करने के लिये कहा। गांधी और अन्य नेताओं को जेल में डाल दिया गया था, लेकिन आंदोलन ने अपना काम कर दिखाया।
- **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन:** सितंबर 1931 से दिसंबर 1931 के दौरान लंदन में एक द्वितीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। यहाँ, गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) का प्रतिनिधित्व किया था। यह एकमात्र गोलमेज सम्मेलन था जिसमें कॉन्ग्रेस ने भाग लिया था। **अतः विकल्प (c) सही है।**

Question 30:

'स्वराजवादियों' और 'नो चेंजर्स' के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर वचिार कीजयि:

1. कॉन्ग्रेस के एक वर्ग के रूप में 'स्वराजवादियों' ने वधिान परषिदों में प्रवेश का वरिोध कयिा था और स्वराज के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रतरिोध जारी रखने पर बल दयिा था ।
2. कॉन्ग्रेस के एक वर्ग के रूप में 'नो चेंजर्स' ने वधिान परषिदों को राजनीतकि संघर्ष के माध्यम के रूप में मानते हुए इनमें प्रवेश करने पर बल दयिा था ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 2
3. 1 और 2 दोनों
4. न तो 1 और न ही 2

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

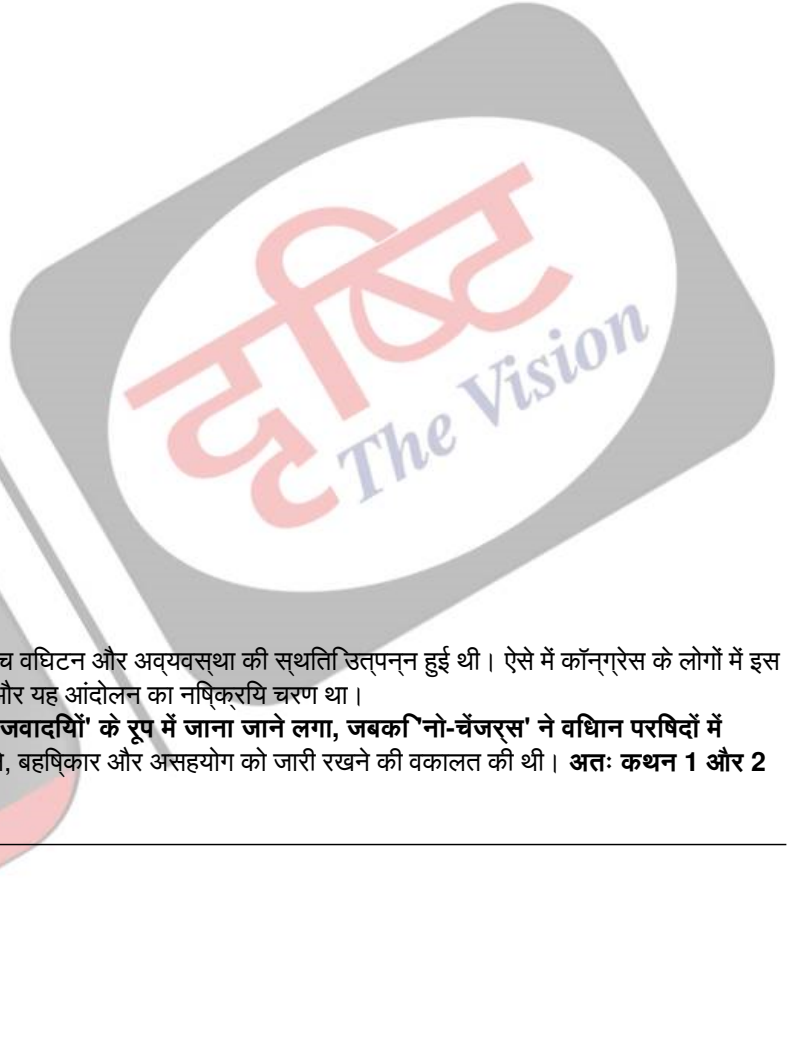
- गांधी की गरिफ्तारी (मार्च 1922) के बाद, राष्ट्रवादियों के बीच वधिाटन और अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई थी । ऐसे में कॉन्ग्रेस के लोगों में इस बात पर बहस शुरू हो गई कि संक्रमण काल में क्या कयिा जाए और यह आंदोलन का नषिकरयि चरण था ।
- वधिान परषिदों में प्रवेश की वकालत करने वालों को 'स्वराजवादियों' के रूप में जाना जाने लगा, जबकि 'नो-चेंजर्स' ने वधिान परषिदों में प्रवेश का वरिोध करने के साथ रचनात्मक कार्यों पर बल देने, बहिष्कार और असहयोग को जारी रखने की वकालत की थी । अतः कथन 1 और 2 सही नहीं हैं ।

Question 31:

भारत सरकार अधनियिम, 1919 के अनुसार द्वैध शासन के संबंध में नमिनलखित कथनों पर वचिार कीजयि:

1. इसमें दो स्तर (अर्थात कार्यकारी पार्षद और मंत्रियों द्वारा) पर शासन का संचालन होना था ।
2. इसमें कार्यकारी पार्षदों के वषिरीत, मंत्रियों को वधिानमंडल के प्रतित्तरदायी बनाया गया था ।
3. इसके तहत 'आरक्षति' और 'स्थानांतरति' नामक वषियों की दो सूचियों का प्रावधान कयिा गया था ।
4. आरक्षति वषियों के वषिरीत, स्थानांतरति वषियों के संबंध में गवरनर जनरल हस्तक्षेप कर सकता था ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?



1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 1, 2 और 3
4. 1, 2, 3 और 4

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

मांटैग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार और भारत सरकार अधिनियम, 1919:

- **द्वैध शासन** का आशय दो स्तर पर शासन (कार्यकारी पार्षदों और लोकप्रिय मंत्रियों) की शुरुआत होना था।
- गवर्नर को प्रांत में कार्यकारी प्रमुख बनाया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसके तहत **वषियों को दो सूचियों में वभाजति कया गया था: 'आरक्षति'** जसमें कानून और व्यवस्था, वतित, भू-राजस्व, सचिाई आदल जैसे वषिय शामिल थे और '**हस्तांतरति**' वषिय जसमें शकषिा, स्वास्थय, स्थानीय सरकार, उद्योग, कृषि, उत्पाद शुल्क आदल शामिल थे। **अतः कथन 3 सही है।**
- **आरक्षति वषियों को गवर्नर द्वारा नौकरशाहों की अपनी कार्यकारी परषिद के माध्यम से प्रशासति कया जाना था और 'हस्तांतरति वषियों को वधिान परषिद के नरिवाचति सदस्यों में से मनोनीत मंत्रियों द्वारा प्रशासति कया जाना था।**
- मंत्रियों को वधिानमंडल के प्रति उत्तरदायी बनाया गया था और वधिानमंडल द्वारा उनके खलिाफ अवशिास प्रस्ताव पारति कयि जाने पर उन्हें इस्तीफा देना पड़ता था जबकि **कार्यकारी पार्षदों को वधिानमंडल के प्रति जवाबदेह नहीं बनाया गया था। अतः कथन 2 सही है।**
- प्रांतों में संवैधानकि तंत्र की वफिलता के मामले में गवर्नर हस्तांतरति वषियों का प्रशासन भी अपने हाथ में ले सकता था।
- **भारत का राज्य सचवि और गवर्नर जनरल आरक्षति वषियों के संबंध में हस्तक्षेप कर सकते थे जबकि हस्तांतरति वषियों के संबंध में उनके हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमति थी। अतः कथन 4 सही नहीं है।**

Question 32:

नमिनलखति युगमों पर वचिार कीजयि:

पुस्तकें	लेखक
1. बंदी जीवन	शरत चंद्र चट्टोपाध्याय
2. पाथेर दबी	शर्चींद्रनाथ सान्याल
3. द फलिसफी ऑफ द बॉम्ब	भगवती चरण वोहरा

उपरयुक्त युगमों में से कतिने सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम

3. सभी तीन युग
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- बंदी जीवन (कैद का जीवन) शचींद्रनाथ सान्याल की रचना है। अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।
- पाथेर दबी (द राइट ऑफ वे, या डमिंड्स ऑफ द रोड) शरत चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित एक बंगाली उपन्यास है। इसे पहली बार वर्ष 1926 में एक उपन्यास के रूप में प्रकाशित किया गया था। यह कृति पाथेर दबी नामक एक गुप्त समाज के बारे में है जिसका लक्ष्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराना है। अतः युग 2 सही सुमेलित नहीं है।
- द फ्लॉसफी ऑफ द बॉम्ब को भगवती चरण वोहरा द्वारा लिखा गया था। अतः युग 3 सही सुमेलित है।

Question 33:

निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

1. अगस्त घोषणा
2. कामागाटामारू प्रकरण
3. बाल्कन युद्ध
4. बंगाल के विभाजन की घोषणा

निम्नलिखित में से कौन-सा उपर्युक्त घटनाओं के घटित होने का सही कालानुक्रम है?

1. 4, 2, 1 3
2. 4, 3 2, 1
3. 1, 2, 3, 4
4. 3, 1, 4, 2

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- मुस्लिम लीग के रवैये में बदलाव के कई कारण थे। मुस्लिम लीग (1912) के कलकत्ता अधिवेशन में भारत के अनुकूल स्वशासन की प्रणाली हेतु अन्य समूहों के साथ काम करने के लिये लीग ने प्रतबिद्धता जताई थी।
 - वर्ष 1911 में बंगाल विभाजन की घोषणा से ऐसा मुस्लिम वर्ग नाराज़ हो गया था जिसने विभाजन का समर्थन किया था।
 - बालकन (1912-13) और इटली के साथ (1911 के दौरान) युद्धों में तुर्की (खलीफा द्वारा शासित, जिसने सभी मुसलमानों के धार्मिक-राजनीतिक नेतृत्व का दावा किया था) की मदद करने से ब्रिटिश की अस्वीकृति से मुस्लिम वर्ग नाराज़ था।
- वर्ष 1917 की मांटेग्यू की अगस्त घोषणा: वर्ष 1917 में ब्रिटिश सरकार ने प्रशासन में भारतीयों की भागीदारी बढ़ाने और क्रमिक रूप से स्वशासन की ओर बढ़ने की नीति की घोषणा की थी। इसका तात्पर्य यह था कि भारतीय राष्ट्रवादियों की स्वशासन की मांग को अब देशद्रोही घटना नहीं मानी जाएगी।
- कामागाटामारू प्रकरण- 1914: कामागाटामारू एक जहाज़ का नाम था जो सागापुर से वैकूवर तक 370 यात्रियों को ले जा रहा था। इसमें मुख्य रूप से सिक्ख और पंजाबी मुस्लिम अप्रवासी थे। दो महीने की अनिश्चितता के बाद उन्हें कनाडा प्राधिकरण द्वारा वापस कर दिया गया था।
 - आमतौर पर यह माना जाता था कि कनाडाई अधिकारी ब्रिटिश सरकार से प्रभावित थे। यह जहाज़ अंततः सितंबर 1914 में कलकत्ता पहुँचा।

अतः विकल्प B सही है।

Question 34:

निम्नलिखित में से कौन "असम केसरी" के नाम से प्रसिद्ध है?

1. बाल गंगाधर तिलक
2. अंबिकागिरी रायचौधरी
3. मोहनदास करमचंद गांधी
4. सरोजिनी नायडू

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- अंबिकागिरी रायचौधरी (1885-1967) एक असमिया कवि, सामाजिक कार्यकर्ता और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्हें असम केसरी के नाम से जाना जाता है। अतः विकल्प B सही उत्तर है।

Question 35:

असहयोग आंदोलन के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. महात्मा गांधी ने वरष 1920 में कॉन्ग्रेस के वार्षकि अधविशन में असहयोग संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत कयिा था ।
2. इस आंदोलन के दौरान अल्लूरी सीताराम राजू ने केरल में आदवासियों का नेतृत्व कयिा था ।
3. इस वरिोध प्रदर्शन के दौरान जे.एम. सेनगुप्ता ने असम में चाय बागानों के मज़दूरों का समर्थन कयिा था ।

उपरयुक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

महात्मा गांधी ने मार्च 1920 में एक घोषणापत्र जारी कयिा था, जसिमें असहयोग आंदोलन के सिद्धांत की घोषणा की गई थी । उन्होंने लोगों से असंपृश्यता नविारण हेतु कार्य करने के साथ हाथ से कताई, बुनाई सहति स्वदेशी सिद्धांतों और व्यवहारों को अपनाने का आग्रह कयिा था ।

- सी.आर.दास ने वरष 1920 में नागपुर में कॉन्ग्रेस के वार्षकि अधविशन में असहयोग संबंधी प्रस्ताव जारी कयिा था और इस आंदोलन को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका नभिाई थी । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- अल्लूरी सीताराम राजू ने आंध्र प्रदेश में आदवासियों का नेतृत्व कयिा था और उनकी मांगों को असहयोग आंदोलन के साथ समन्वति कयिा था । अतः कथन 2 सही नहीं है ।
- बंगाली राष्ट्रवादी नेता जे.एम. सेनगुप्ता ने असम में चाय बागान मज़दूरों के वरिोध आंदोलन में शामिल होकर हड़ताल में उनका समर्थन कयिा था । अतः कथन 3 सही है ।

Question 36:

सुबकिा पेंटगि के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. यह चतिरकला शैली मणपुरि में कुकी समुदाय के सांस्कृतकि इतिहास से संबंधति है ।

2. यह पेंटगि हस्तनरिमति कागज़ अथवा वृक्ष की छाल पर बनाई जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 2
3. 1 और 2 दोनों
4. न तो 1 और न ही 2

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

प्राचीन सुबकि पेंटगि:

- मणपुर की समृद्ध सांस्कृतिक वरिषत को संरक्षित करने हेतु **मणपुर की प्राचीन सुबकि पेंटगि शैली**, जो वलिपुत की कगार पर है, को पुनर्जीवित करने के लिये व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं।
- सुबकि पेंटगि शैली **मैतेई समुदाय** के सांस्कृतिक इतहिस से संबंधित है तथा अपनी छह जीवित पांडुलपियों; सुबकि, सुबकि अचौबा, सुबकि लाईशाबा, सुबकि चौदति, सुबकि चेइथलि तथा थंगराखेल सुबकि के माध्यम से अस्तित्व में हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह पेंटगि **हस्तनरिमति कागज़ पर बनाई जाती है** तथा पांडुलपियों के लिये आवश्यक सामग्री, जैसे हस्तनरिमति कागज़ अथवा वृक्ष की छाल पर तैयार की जाती है। **अतः कथन 2 सही है।**

Question 37:

बंगाल वभिजन के पीछे वास्तविक ब्रिटिश मंशा के बारे में नमिनलखित में से कौन-सा सही है?

1. बंगाल प्रशासन के लिये बहुत बड़ा हो गया था, इसलिये प्रशासनिक सुवधि वभिजन के पीछे का कारण थी।
2. वभिजन से असम के विकास में मदद मलिंगी।
3. भारतीय राष्ट्रवाद के मुख्य केंद्र बंगाल को कमजोर करने की ब्रिटिश इच्छा।
4. ढाका नए हद्वि बहुसंख्यक प्रांत की राजधानी बन सकता था।

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- वभिाजन के लिये दयाा गया आधकारक कारण यह था कऱ बंगाल प्रशासन के लये बहुत बड़ा हो गया था और यह वभिाजन असम के वकऱस में मदद करेगा । हालाँकऱ, वभिाजन योजना के पीछे असली मकसद भारतीय राष्ट्रवाद के मुख्य केंद्र बंगाल को कमजोर करने की बरटिशऱ इच्छा को देखा गया था । यह बंगालयऱों को भाषा और धरम के आधार पर वभिाजतऱ करके तथा बंगालयऱों को बंगाल में अल्पसंख्यक बनाकर प्राप्त कयऱा जाना था ।
- उस समय के वायसराय लॉर्ड करजन ने यह तर्क देकर मुसलमानों को लुभाने की कोशशऱ की कऱ ढाका नए मुसलमऱ बहुसंख्यक प्रांत की राजधानी बन सकता है, जो उन्हें पुराने मुसलमऱ वाइसराय और राजाओं के दनऱों से अनुभव नहीं की गई एकता प्रदान करेगा । **अतः वकऱल्प C सही है ।**

Question 38:

नमऱनलखऱतऱ युगमों पर वचऱार कीजयऱऱे:

संगठन	संस्थापक
1. इंडयऱन सोशयऱोलॉजसऱट	श्यामजी कृषुण वरमा
2. बंदे मातरम	मैडम भीकाजी कामा
3. युगांतर	बारीन्द्र कुमार घोष

उपरयुक्त युगमों में से कौन- सा/से सही सुमेलतऱ है/हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीन युगम
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- **श्यामजी कृषुण वरमा** ने इंडयऱन होम रूल सोसाइटी और इंडयऱा हाउस की स्थापना की तथा वर्ष 1905 में लंदन में द सोशयऱोलॉजसऱट नामक पत्रकऱा का प्रकाशन कयऱा । **अतः युगम 1 सही सुमेलतऱ है ।**
- **मैडम भीकाजी कामा** ने पेरसऱ और ज़नऱऱवा में महत्त्वपूर्ण कार्य कयऱे और बंदे मातरम नामक पत्रकऱा का प्रकाशन कयऱा । **अतः युगम 2 सही**

सुमेलति है।

- युगांतर एक बंगाली क्रांतिकारी समाचार पत्र था जिसकी शुरुआत वर्ष 1906 में कलकत्ता में बारीन्द्र कुमार घोष, अभिनाश भट्टाचार्य और भूपेन्द्रनाथ दत्त ने की थी। अतः युग 3 सही सुमेलति है।

Question 39:

हरष के साम्राज्य के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये:

1. हरष ने उज्जैन को अपनी शक्तिका केंद्र बनाया था।
2. हरष का शासनकाल चीनी तीर्थयात्री फाह्यान की यात्रा के कारण ऐतहिसकि रूप से महत्त्वपूर्ण है।
3. हरषवर्धन ने इलाहाबाद में कुंभ मेले की शुरुआत की।

उपरयुक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- हरषवर्धन ने 606 से 647 ई. तक उत्तरी भारत पर शासन किया।
- हरष ने कन्नौज को अपनी शक्तिका केंद्र बनाया और वहाँ से सभी दशाओं में अपना प्रभाव बढ़ाया। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- हरष का शासनकाल चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग की यात्रा के कारण ऐतहिसकि रूप से महत्त्वपूर्ण है, जिनोंने 629 ई. में चीन छोड़ दिया और भारत की यात्रा की। वह बहार स्थिति बौद्ध विश्वविद्यालय नालंदा में अध्ययन करने आये थे। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- फाह्यान की भारत यात्रा चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान हुई थी।
- हरषवर्धन ने 644 ईसा पूर्व में इलाहाबाद में मेले के आयोजन की शुरुआत की। अतः कथन 3 सही है।

Question 40:

नमिनलखिति जनजातियों पर वचिर कीजिये:

1. कोली
2. पद्दारी
3. बकरवाल

उपर्युक्त जातीय जनजातियों में से कतिनी जम्मू-कश्मीर से संबंधित हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- **संवधान (जम्मू-कश्मीर) अनुसूचति जनजातियाँ आदेश (संशोधन) अधियक, 2024**
 - इस अधियक का उद्देश्य विशेष रूप से अनुसूचति जनजातियों (ST) की सूची में जम्मू-कश्मीर की चार जातीय समूहों को शामिल करना है।
 - अनुसूचति जनजातियों की सूची में **गड्डा ब्राह्मण, कोली, पद्दारी जनजात तथा पहाडी जातीय समूह** जैसे जातीय समूहों को शामिल किया जाएगा।
 - इन समुदायों को अनुसूचति जनजात का दर्जा प्रदान कर यह अधियक उनके सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण को सुनिश्चित करेगा।
- **महत्त्व:**
 - इस अधियक में यह सुनिश्चित किया गया कि जम्मू-कश्मीर में अनुसूचति जनजातियों की सूची में इन समुदायों को शामिल करने तथा उन्हें आरक्षण प्रदान करने के दौरान **गुज्जर और बकरवाल** जैसे मौजूदा अनुसूचति जनजात समुदायों को उपलब्ध आरक्षण के वर्तमान स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
 - **गुज्जर और बकरवाल** खानाबदोश समूह हैं तथा वे गर्मियों में अपने पशुओं के साथ ऊँचाई वाले इलाकों की ओर चले जाते हैं एवं सर्दी के आगमन से पहले अपनी वापसी सुनिश्चित करते हैं।
- **अतः विकल्प C सही है।**

Question 41:

निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

संगठन	संस्थापक
1. इंडियन होम रूल सोसाइटी	श्यामजी कृष्ण वर्मा
2. अनुशीलन समिति	वी.डी. सावरकर
3. अभिनव भारत	परमोद मतिर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन- सा/से सही सुमेलति है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- श्यामजी कृष्ण वर्मा ने वर्ष 1905 में लंदन में 'इंडियन होमरूल सोसाइटी' की स्थापना की। अतः युग्म 1 सही सुमेलति है।
- 'अनुशीलन समिति' की स्थापना वर्ष 1902 में कलकत्ता में परमोद मत्तितर ने की थी। अतः युग्म 2 सही सुमेलति नहीं है।
- 'अभिनव भारत' का नाम अभिनव भारत सोसायटी के नाम पर रखा गया था, जो वनियक दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित एक संगठन है। अतः युग्म 3 सही सुमेलति नहीं है।

अतः विकल्प A सही है।

Question 42:

ब्रिटिश भारत में प्रारंभिक राजनीतिक संघों के संबंध में नमिनलखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना बदरुद्दीन तैयबजी ने की थी।
2. बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन की शुरुआत महादेव गोवर्धन रानाडे द्वारा की गई थी।
3. इंडियन लीग की शुरुआत वर्ष 1875 में ससिरि कुमार घोष ने की थी।

उपर्युक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना वर्ष 1867 में महादेव गोवदि रानाडे और अन्य लोगों द्वारा सरकार एवं लोगों के बीच मध्यस्थता स्थापित करने के उद्देश्य से की गई थी। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन की शुरुआत वर्ष 1885 में बदरुद्दीन तैयबजी, फरीज़शाह मेहता और के.टी. तेलंग द्वारा की गई थी। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- इंडियन लीग की शुरुआत वर्ष 1875 में ससिरि कुमार घोष द्वारा "लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने" तथा राजनीतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई थी। अतः कथन 3 सही है।

Question 43:

उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा से आगे बढ़कर कई सामाजिक बुराइयों पर सवाल उठाए और उन्हें खत्म करने की दशा में काम किया। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये महिला सेवा मंडल की शुरुआत की। उन्होंने वधवाओं के अमानवीकरण के खिलाफ सख्ती से अभियान चलाया और वधवा पुनर्विवाह की वकालत की, वधवाओं के सरि मुंडवाने की अमानवीय प्रथा की नन्दि करने के लिये एक सफल नाई की हड़ताल का आयोजन किया। उन्होंने बालहत्या प्रतर्बिन्धक गृह (शशु हत्या को रोकने के लिये घर) नामक एक घर की स्थापना की, जहाँ अवविहति माताएँ और वधवाएँ जो दुर्भाग्यपूर्ण परस्थितियों में गर्भवती हो जाती थीं वे अपने शशुओं या स्वयं को मारने के बजाय सुरक्षित प्रसव करवा सकती थीं। उन्होंने अपने स्वयं के जल भंडार को सभी के लिये खोलकर असंपृश्यता की बुराई के खिलाफ एक मसाल कायम की। निम्नलिखित में से किस समाज सुधारक के महान कार्यों का ऊपर वर्णन किया गया है?

1. सरला देवी चौधरानी
2. सावतिरीबाई फुले
3. कॉर्नेलिया सोराबजी
4. इनमे से कोई भी नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 1852 में सावतिरीबाई ने महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 'महिला सेवा मंडल' की शुरुआत की। सावतिरीबाई ने एक महिला

सभा का आह्वान किया, जहाँ सभी जातियों के सदस्यों का स्वागत किया गया और सभी से एक साथ मंच पर बैठने की अपेक्षा की गई। उन्होंने वर्ष 1854 में 'काव्या फुले' और वर्ष 1892 में 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' का प्रकाशन किया। अपनी कविता 'गो, गेट एजुकेशन' में वह उत्पीड़ित समुदायों से शिक्षा प्राप्त करने और उत्पीड़न की जंजीरों से मुक्त होने का आग्रह करती हैं।

- उन्होंने वधवा पुनर्ववाह का समर्थन करते हुए बाल ववाह के खिलाफ एक साथ अभियान चलाया।
- उन्होंने वर्ष 1873 में पहला सत्यशोधक ववाह शुरू किया- दहेज, ब्राह्मण पुजारी या ब्राह्मणवादी रीति-रिवाज के बिना ववाह। उन्होंने वर्ष 1848 में फुले ने पूना में लड़कियों, शूद्रों एवं अर्ध-शूद्रों के लिये एक स्कूल शुरू किया।
- 1850 के दशक में फुले दंपती ने दो शैक्षिक ट्रस्टों की शुरुआत की- नेटिव फीमेल स्कूल (पुणे) और 'द सोसाइटी फॉर प्रमोटिंग द एजुकेशन ऑफ महार' - जिसके तहत कई स्कूल शामिल थे।
- वर्ष 1853 में उन्होंने गर्भवती वधवाओं के लिये सुरक्षा प्रसव हेतु और सामाजिक मानदंडों के कारण शशिहत्या की प्रथा को समाप्त करने के लिये एक देखभाल केंद्र खोला। बालहत्या प्रतर्बिधक गृह (शशि हत्या निवारण गृह) उनके ही घर में शुरू हुआ।
- सत्यशोधक समाज (द ट्रुथ-सीकरस सोसाइटी) की स्थापना 24 सितंबर, 1873 को ज्योतराव-सावत्रीबाई और अन्य समान विचारधारा वाले लोगों द्वारा की गई थी। उन्होंने समाज में सामाजिक परिवर्तनों की वकालत की तथा प्रचलित परंपराओं के खिलाफ कदम उठाया जिनमें आर्थिक ववाह, अंतर-जातीय ववाह, बाल ववाह का उन्मूलन और वधवा पुनर्ववाह शामिल हैं। **अतः विकल्प B सही है।**

Question 44:

निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये:

आंदोलन	प्रतिपादक
1. जस्टिस आंदोलन	सी.एन. मुदलियार
2. आत्म सम्मान आंदोलन	ई.वी. रामास्वामी नायकर
3. अरुवपिपुरम आंदोलन	नारायण गुरु

उपर्युक्त में से कितने युग सही सुमेलित हैं?

1. केवल एक युग
2. केवल दो युग
3. सभी तीन युग
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- **जस्टिस आंदोलन:** मद्रास प्रेसीडेंसी में यह आंदोलन **सी.एन. मुदलियार, टी.एम. नायर और पी. त्यागराज** द्वारा शुरू किया गया था। जिसमें उन्होंने वधायिका में गैर-ब्राह्मणों के लिये नौकरियाँ और प्रतिनिधित्व सुरक्षा करने पर बल दिया था। **अतः युग 1 सही सुमेलित है।**
- **आत्म-सम्मान आंदोलन:** इस आंदोलन की शुरुआत **ई.वी. रामास्वामी नायकर** और बलजा नायडू के द्वारा वर्ष 1920 के दशक के मध्य में की गई थी। इस आंदोलन का उद्देश्य ब्राह्मणवादी धर्म और संस्कृति को अस्वीकार करना था, जिसे नायकर निम्न जातियों के शोषण का प्रमुख साधन मानते थे। **अतः युग 2 सही सुमेलित है।**

- **अरुवपिपुरम आंदोलन: नारायण गुरु**, जो स्वयं एझावा जातसे संबंध रखते थे, ने नेय्यर नदी से एक पत्थर लिया और इसे वर्ष 1888 में शविरात्र के दनि अरुवपिपुरम में शविलगि के रूप में स्थापति कथिा । इसका उद्देश्य यह प्रदर्शति करना था, कएिक मूर्तकी प्राण प्रतषिठा पर उच्च जातथिों का एकाधिकार नहीं है ।
- इस आंदोलन (अरुवपिपुरम आंदोलन) ने प्रसदिध कवकिुमारन आशान को आकर्षति कथिा । **अतः युगम 3 सही सुमेलति है ।**

Question 45:

बालशास्त्री जांभेकर के संबंध में नमिन्लखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. उनहोंने वर्ष 1832 में दर्पण नामक समाचार पत्र शुरू कथिा था ।
2. वह एलफसि्टन कॉलेज में हदिी के पहले प्रोफेसर थे ।
3. उनहोंने वर्ष 1849 में परमहंस मंडली की स्थापना की थी ।

उपरयुक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

बालशास्त्री जांभेकर (वर्ष 1812-46) मुंबई में पत्रकारति के माध्यम से सामाजकि सुधार के अग्रदूत थे, उनहोंने ब्राह्मणवादी रूढवािदी प्रथाओं का वरिोध कथिा और लोकप्रयि ह्दिी धर्म में सुधार करने का प्रयास कथिा था ।

- उनहोंने वर्ष 1832 में दर्पण नामक समाचार पत्र शुरू कथिा था । मराठी पत्रकारति के जनक के रूप में जाने जाने वाले जांभेकर ने लोगों को वधिवा पुनर्ववािह जैसे सामाजकि सुधारों के बारे में जागरूक करने एवं लोगों में जीवन के प्रतविज्ञानकि दृष्टकिेण उत्पन्न करने के लयि दर्पण नामक समाचार पत्र का उपयोग कथिा था । **अतः कथन 1 सही है ।**
- वह महाराष्ट्र में वर्ष 1849 में स्थापति एलफसि्टन कॉलेज के संस्थापक एवं हदिी के पहले प्रोफेसर थे । **अतः कथन 2 सही है ।**
- परमहंस मंडली की शुरुआत दादोबा पांडुरंग, मेहताजी दुर्गाराम और अन्य लोगों द्वारा एक गुप्त समाज के रूप में की गई थी । **अतः कथन 3 सही नहीं है ।**

Question 46:

इन्होंने भारतीय राजकुमारों के राजनीतिक प्रशिक्षण के लिये काठियावाड़ में एक राजकोट कॉलेज की स्थापना की थी । इन्होंने भारत के सांख्यिकीय सर्वेक्षण और कृषि तथा वाणजिय वभाग की स्थापना भी की । नरीक्षण के उद्देश्य से 1872 में अंडमान द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में अपराधी बस्ती का दौरा करते समय, उनकी हत्या एक अफगान अपराधी शेर अली अफरीदी ने की थी, जसिने चाकू का इस्तेमाल किया था । नमिनलखिति में से कसि गवर्नर जनरल/वायसराय से उपरोक्त वशिषताएँ संबंघति हैं?

1. लॉर्ड मेयो
2. लॉर्ड लटिन
3. लार्ड रपिन
4. लॉर्ड लैंसडाउन

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

लॉर्ड मेयो 1869-72:

- भारतीय राजकुमारों के राजनीतिक प्रशिक्षण के लिये काठियावाड़ में राजकोट कॉलेज और अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना की ।
- भारत के सांख्यिकीय सर्वेक्षण की स्थापना ।
- कृषि और वाणजिय वभाग की स्थापना ।
- सरकारी रेलवे की शुरुआत की ।
- लॉर्ड मेयो ने जेल सुधारों, वशिष रूप से अंडमान द्वीप समूह में अपराधी अधवासों के लिये उनका कार्य प्रमुख है । उनके कार्यकाल का सबसे महत्वपूर्ण कानूनी सुधार 1872 में भारतीय साक्ष्य अधिनियम का पारति होना था । इस अधिनियम ने पूर्व कविसिगतियों और भेदभाव को दूर किया एवं सभी भारतीयों के लिये लागू कानून का एक मानक परारूप प्रस्तुत किया । । पूर्व में कानून व्यवस्था को वभिदति किया गया था जसि जाति, समुदाय और सामाजिक समूह के अनुसार लागू किया गया था ।
- नरीक्षण के उद्देश्य से 1872 में अंडमान द्वीप समूह में पोर्ट ब्लेयर में अपराधी अधवासों का दौरा करते समय, उनकी हत्या एक अफगान अपराधी शेर अली अफरीदी ने की थी, जसिने चाकू का इस्तेमाल किया था । **अतः विकल्प A सही है ।**

Question 47:

नमिनलखिति युगमें पर वचिार कीजयि:

महिला संगठन	महिला नेता
1. भारत स्त्री महामंडल	रमाबाई रानाडे
2. भारत महिला परिषद	सरला देवी चौधुरानी
3. आर्य महिला समाज	पंडति रमाबाई सरस्वती

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युग
2. केवल दो युग
3. सभी तीन युग
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- वर्ष 1910 में सरला देवी चौधुरानी ने इलाहाबाद में भारत स्त्री महामंडल की पहली सभा की थी। अतः युग 1 सही सुमेलति नहीं है।
- रमाबाई रानाडे ने वर्ष 1904 में बॉम्बे में मूल संगठन, नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस के तहत लेडीज़ सोशल कॉन्फ्रेंस (भारत महिला परिषद) की स्थापना की थी। अतः युग 2 सही सुमेलति नहीं है।
- पंडति रमाबाई सरस्वती ने महिलाओं की सेवा के लिये आर्य महिला समाज की स्थापना की थी। उन्होंने अंगरेज़ी शिक्षा आयोग के समक्ष भारतीय महिलाओं के लिये शैक्षिक पाठ्यक्रम में सुधार की वकालत की थी। अतः युग 3 सही सुमेलति है।

Question 48:

लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा शुरू किये गए 'व्यपगत सदिधांत' के संदर्भ में नमिन्लखिति में से कौन-से कथन सही हैं?

1. सतारा राज्य पर कब्ज़ा करने के लिये व्यपगत सदिधांत को लागू किये गया था।
2. इसने अंगरेज़ों को किसी भी रियासत पर कब्ज़ा करने की अनुमति दी, यदा शिासक बना किसी प्राकृतिक उत्तराधिकारी के मर गया है।
3. व्यपगत सदिधांत, अवध राज्य पर लागू किये गया था।

उचित विकल्प का चयन कीजिये:

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3

3. केवल 1 और 3

4. 1, 2, और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- व्यपगत सद्दिधांत 19वीं शताब्दी के मध्य में भारत के गवर्नर-जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा शुरू की गई एक वविदासपद नीतित्थी ।
- इस सद्दिधांत का उद्देश्य उन रयिासतों पर कब्ज़ा करना था, जनिके शासक के नधिा पर उनके पास कोई प्राकृतकि उत्तराधिकारी नहीं था, चाहे वह दत्तक हो या जैवकि ।
 - डलहौज़ी के अनुसार, यद किस्ी शासक का बनिा कसिी पुरुष उत्तराधिकारी के नधिा हो जाता है, तो राज्य की संप्रभुता "वलिय" हो जाएगी या ब्रिटिशि ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा उस पर कब्ज़ा कर लया जाएगा ।
- सतारा राज्य पर व्यपगत सद्दिधांत का उपयोग करके कब्ज़ा कर लया गया था । अतः कथन 1 सही है ।
- व्यपगत सद्दिधांत ने अंग्रेज़ों को कसिी भी रयिासत पर कब्ज़ा करने की अनुमत्ती दी, यद शासक की मृत्यु बनिा कसिी प्राकृतकि उत्तराधिकारी के हुई हो । अतः कथन 2 सही है ।
- व्यपगत सद्दिधांत अवध पर भी लागू हुआ, कुशासन का आरोप लगाकर इसका वलिय कर लया गया । अतः कथन 3 सही है ।

Question 49:

नमिािलखिति में से कौन ब्रिटिशि शासन के दौरान भारत में रैयतवारी बंदोबस्त की शुरुआत से संबंघति था/थे?

1. लॉर्ड कार्नालसि
2. एलेगजेंडर रीड
3. थॉमस मुनरो

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

1. केवल 1
2. केवल 1 और 3
3. केवल 2 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा भारत में शुरू किया गया भूमि बंदोबस्त इस प्रकार है:

- **स्थायी बंदोबस्त (1793):**
 - इसकी शुरुआत लॉर्ड कार्नवालिस ने की थी। **अतः 1 सही नहीं है।**
 - राजाओं और तालुकदारों को ज़मींदारों के रूप में मान्यता दी गई और किसानों से लगान वसूल करने और कंपनी को राजस्व देने के लिये कहा गया।
 - भुगतान की जाने वाली राशि स्थायी रूप से निर्धारित की गई थी।
- **महालवारी बंदोबस्त (1822):**
 - यह उत्तर पश्चिमी प्रांतों (आगरा, अवध और पंजाब के क्षेत्र) में होल्ट मैकेंज़ी द्वारा तैयार किया गया था।
 - कलेक्टर गाँव-गाँव गए, भूमिका नरीक्षण किया, खेतों की माप की और वभिन्न समूहों के रीत-रिवाजों और अधिकारों को दर्ज किया।
 - इस मांग को समय-समय पर संशोधित किया जाना था।
 - राजस्व एकत्र करने और इसे कंपनी को भुगतान करने का प्रभार ज़मींदार के बजाय ग्राम प्रधान को दिया गया था।
- **रैयतवारी व्यवस्था (1820):** इसकी शुरुआत दक्षिण भारत में कैप्टन एलेक्जेंडर रीड और थॉमस मुनरो ने की थी। **अतः 2 और 3 सही हैं।**
 - इस प्रणाली ने सरकार को राजस्व वसूली के लिये सीधे किसान (रैयत) से संपर्क की अनुमति दी और किसान को खेती के लिये नई भूमि छोड़ने या प्राप्त करने की स्वतंत्रता दी।

Question 50:

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मृदा के स्वरूप और उपज की गुणवत्ता के आधार पर भूमि राजस्व का मूल्यांकन।
2. युद्ध में चलती-फरती तोपों का उपयोग।
3. तंबाकू और लाल मरिच की खेती।

उपर्युक्त में से कौन-सी अंग्रेज़ों की भारत को देन थी/थीं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 2 और 3
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- भू-राजस्व की प्रणाली शेरशाह ने शुरू की थी, जिसके तहत एक व्यवस्थित सरवेक्षण द्वारा भूमि का आकलन और संपूर्ण खेती योग्य भूमि की माप की जाती थी। अकबर के शासन के दौरान, मुगल साम्राज्य में इस प्रणाली को अधिक विस्तृत रूप में लागू किया गया। अकबर ने भूमि की माप के मानकीकरण की प्रणाली का पालन किया जैसे- प्रतिबीघा भूमि पर उपज का पता लगाना और उस उत्पाद में राज्य के हिस्से का निर्धारण। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में बाबर ने इब्राहिम लोदी की सेना के खिलाफ तोपों का इस्तेमाल किया। राणा सांगा की सेना के खिलाफ वर्ष 1528 में खानवा के युद्ध में बाबर ने इनका इस्तेमाल किया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- माना जाता है कि मरिच मैक्सिकन मूल की है जिसका समय 3500 ईसा पूर्व के आस-पास है। यह क्रिस्टोफर कोलंबस द्वारा दुनिया के बाकी हिस्सों में ले जाई गई थी, जिसने वर्ष 1493 में अमेरिका की खोज की थी। बाद में यह पुर्तगाल में लोकप्रिय हुई। 1498 ईस्वी में वास्को-डी-गामा भारतीय तट पर पहुँचा और भारत में मरिच की शुरुआत की। तंबाकू एक ऐसा पौधा है जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका में देशी रूप से उगता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

Question 51:

चित्रकला की क्षेत्रीय शैलियों के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	क्षेत्रीय चित्रकारी	वशिष्टताएँ
1.	चित्रकला की मेवाड़ शैली	साहबिदीन और 'तमाशा' चित्रों का चित्रण
2.	कश्मीर की चित्रकला शैली	कामुकता और वदिवता
3.	कांगड़ा की चित्रकला शैली	बनी-ठणी की चित्रकला
4.	बशोली की चित्रकला शैली	चित्रकला की पहाड़ी शैलियाँ

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

1. केवल एक युग्म
2. केवल दो युग्म
3. केवल तीन युग्म
4. सभी चारों युग्म

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- **चित्रकला की क्षेत्रीय शैलियाँ:** उप-साम्राज्यवादी शैलियों ने मध्यकाल में अपनी शैली विकसित करके अपनी एक जगह और पहचान बनाई। उन्होंने अपनी भारतीय जड़ों को बनाए रखने के साथ चटकीले रंग-बरिगे चित्रों के प्रति अपने लगाव के साथ चित्रकारी जारी रखा। इस समय अवधि के दौरान उभरे विभिन्न शैलियों में से थे:

• **चित्रकला की राजस्थानी शैली:**

- **चित्रकला की मेवाड़ शैली:** इसमें साहबिदीन की असाधारण चित्रकला (इस अवधि की मेवाड़ चित्रकला रसकिप्रिया, रामायण और भागवत पुराण साहित्यिक ग्रंथों के साहबिदीन के चित्रण पर केंद्रित थी) का प्रभुत्व है। इसके उत्तरकालीन चित्रों में मेवाड़ के दरबारी जीवन का चित्रण किया गया है। इस अवधि का अनूठा बटु असाधारण 'तमाशा' चित्रकला है जिसमें अभूतपूर्व वस्तुओं के साथ दरबार की औपचारिकताओं, दरबारी समारोह और नगर के दृश्यों को दर्शाया गया है। **अतः युग 1 सही है।**
- **चित्रकला की कश्मिरी शैली:** कश्मिरी चित्रकला, **सबसे रोमांटिक कविदंतियों - सावंत सहि और उनकी प्रेयसी बनी-ठणी**, उनके जीवन और मथिकों, रोमांस और भक्तिके बीच के परस्पर संबंध से जुड़ी हुई है। कभी-कभी यह तर्क दिया जाता है कि 'बनी-ठणी' नामक महिला, राधा के चरित्र से मिलती-जुलती है। राधा और कृष्ण के बीच भक्ति और प्रेम संबंधों पर कई चित्रकारी भी बनाई गई है। **अतः युग 2 और 3 सही नहीं हैं।**

- **पहाड़ी चित्रकला शैलियाँ:** चित्रकला की यह शैली उप-हिमालयी राज्यों में विकसित हुई है। पहाड़ी चित्रों को दो समूहों में बांटा जा सकता है: जम्मू या डोगरा शैली: उत्तरी बशोली शृंखला तथा **कांगड़ा शैली: दक्षिणी शृंखला**
 - **बशोली शैली:** 17वीं शताब्दी में **पहाड़ी शैली में बनाए गए चित्रों को बशोली शैली कहा जाता है।** चित्रकला का यह प्रारंभिक चरण था जिसकी विशेषता कमल की पंखुड़ियों सदृश बड़ी-बड़ी आँखों और घटते चले जाने वाले बालों की रेखा के साथ भाव अभिव्यक्ति करने वाले चेहरे चित्रित किये जाते थे। इन चित्रों में अनेक प्राथमिक रंगों का प्रयोग किया जाता था। **अतः युग 4 सही है।**

Question 52:

आर्यभट्ट और उनके कार्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आर्यभट्ट ने लगभग 499 ई. में आर्यभट्टीय की रचना की थी जिसमें खगोल विज्ञान की अवधारणाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था।
2. बड़ी दशमलव संख्याओं को अक्षरों से निरूपित करने की विधि, संख्या सदिधांत, ज्यामिति, त्रिकोणमिति तथा बीजगणित को उनके द्वारा समझाया गया।
3. आर्यभट्ट ने अपनी पुस्तक में बताया कि पृथ्वी गोल है और अपनी धुरी पर घूमती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- आर्यभट्ट ने लगभग 499 ई. में आर्यभट्टीय की रचना की जिसमें गणित के साथ-साथ खगोल विज्ञान की अवधारणाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- इस पुस्तक के चार खंड थे: **बड़ी दशमलव संख्याओं को वर्णमाला द्वारा दर्शाने की विधि, संख्या सदिधांत, ज्यामिति, त्रिकोणमिति और खगोल विज्ञान पर आधारित बीजगणित।** उन दिनों खगोल विज्ञान को खगोल शास्त्र भी कहा जाता था। खगोल नालन्दा की प्रसिद्ध खगोलीय

प्रयोगशाला थी जहाँ आर्यभट्ट ने अध्ययन किया था। **अतः कथन 2 सही है।**

- आर्यभट्ट ने अपनी पुस्तक में बताया कि पृथ्वी गोल है और अपनी धुरी पर घूमती है। उन्होंने त्रिभुज के क्षेत्रफल का एक सूत्र बनाया तथा बीजगणित का आविष्कार किया। आर्यभट्ट द्वारा दिया गया पाई का मान यूनानियों द्वारा दिये गए मान से कहीं अधिक सटीक है। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 53:

'चरक संहिता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चरक संहिता मुख्य रूप से औषधीय प्रयोजनों के लिये पौधों और जड़ी-बूटियों के उपयोग से संबंधित है।
2. इसमें पाचन, चयापचय और प्रतिरक्षा प्रणाली पर व्यापक लेख की रचना की गयी है।
3. चरक ने अपनी पुस्तक में उपचार के बजाय रोगों की रोकथाम पर अधिक बल दिया है और इस पुस्तक में आनुवंशिकी का उल्लेख नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- चरक संहिता मुख्य रूप से औषधीय प्रयोजनों के लिये पौधों और जड़ी-बूटियों के उपयोग से संबंधित है। एक तरह से यह मुख्य रूप से निम्नलिखित आठ घटकों वाले विज्ञान के रूप में आयुर्वेद से संबंधित है:
 - काया चिकित्सा (सामान्य चिकित्सा)
 - कौमार-भृत्य (बाल रोग)
 - शल्य चिकित्सा (सर्जरी)
 - सालक्य तंत्र (नेत्र विज्ञान/ईएनटी)
 - बूटा वदिया (दानव विज्ञान/मनोरोग)
 - अगाडा तंत्र (वधि विज्ञान)
 - रसायन तंत्र (अमृत)
 - वाजीकरण तंत्र (कामोत्तेजक)। **अतः कथन 1 सही है।**
- चरक संहिता में पाचन, चयापचय और प्रतिरक्षा प्रणाली पर व्यापक लेख की रचना की गयी है। चरक इस बात पर बल देते हैं कि मानव शरीर की कार्यप्रणाली तीन दोषों पर निर्भर करती है: **1. पित्त, 2. कफ और 3. वायु। अतः कथन 2 सही है।**
- ये दोष रक्त, मांस और मज्जा की सहायता से उत्पन्न होते हैं और इन तीनों दोषों के बीच असंतुलन के कारण शरीर रोगी हो जाता है।
- इस संतुलन को बहाल करने के लिये दवाओं का उपयोग किया जा सकता है। चरक ने अपनी पुस्तक में उपचार के बजाय रोगों की रोकथाम पर अधिक बल दिया है और **इस पुस्तक में आनुवंशिकी का उल्लेख मिला है। अतः कथन 3 सही नहीं है।**



Question 54:

नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

पुसूतक - लेखक

1. शुलूवसूतूर - बौधायन
2. गणतिकौमुदी - बूरमूहगुपूत
3. गणति सार संगूरह - महावीराचारूय
4. सदिधूांत शरिीमणूि - भासूकराचारूय

उपरयुक्त में से कतिने युगम सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. केवल तीन युगम
4. सभी चार युगम

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- गणति पर लखिति सबसे पहली पुसूतक **शुलूवसूतूर थी जसिं बौधायन** ने ईसा पूरूव छठी शताबदी में लखिा था। **शुलूवसूतूर में 'पाई' और पाइथागोरस प्रमेय के समान कुछ अवधारणाओं का भी उलूलेख** मलिता है। पाई का उपयोग वर्तमान में वृत्त के कषेत्फल और परधि की गणना के लयि कयिा जाता है। **अतः युगम 1 सही सुमेलति है।**
- मध्यकाल में **नारायण पंडति ने गणति पर कारूय कयिा** जसिमें **गणतिकौमुदी और बीजागूनितावतमूस** शामिल हैं। नीलकंठ सोमसुतूवन ने तंतूरसंगूरह की रचना की, जसिमें तूरकिोणमतीय कारूयों के नयिम शामिल हैं। जूयोतरूिदि नीलकंठ ने बड़ी संख्या में फारसी तकनीकी शबूदों को समझने के लयि तजकि का संकलन कयिा था। **अतः युगम 2 सही सुमेलति नहीं है।**
- 9वीं शताबदी ईसूवी में **महावीराचारूय ने गणति सार संगूरह की रचना की जो पूरी तरह से गणति को समरूपति पहली पाठूयपुसूतक है। अतः युगम 3 सही सुमेलति है।**
- **भासूकराचारूय 12वीं शताबदी ईसूवी में अगूरणी गणतिजूजों में से एक थे।**
- उनकी पुसूतक **सदिधूांत शरिीमणूि** चार खंडों में वभिाजति है:
 - **लीलावती** (अंकगणति से संबंधति)
 - **बीजगणति** (बीजगणति से संबंधति)
 - **गोलाधूयाय (गोलक के बारे में)**
 - **गूरहगणति** (गूरहों का गणति) **अतः युगम 4 सही सुमेलति है।**

Question 55:

आदिशंकराचार्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने वशिष्टाद्वैत के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
2. 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का संबंध आदिशंकराचार्य से है।
3. उन्होंने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु भारत के चार कोनों शृंगेरी, पुरी, द्वारका और बदरीनाथ में चार मठों की स्थापना की।

उपर्युक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

• आदिशंकराचार्य:

- आदिशंकराचार्य ने अद्वैत (अद्वैतवाद) के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। अद्वैत वेदांतियों के अनुसार, उपनिषद अद्वैत के एक मौलिक सिद्धांत को प्रकट करते हैं जिसे 'ब्रह्म' कहा जाता है, जो सभी वस्तुओं की वास्तविकता है। अद्वैतवादी ब्रह्म को व्यक्ति और अनुभवजन्य बहुलता से परे समझते हैं। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिये आदिशंकराचार्य ने भारत के चार कोनों शृंगेरी, पुरी, द्वारका और बदरीनाथ में चार मठों की स्थापना की। अतः कथन 3 सही है।
- हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने 11वीं सदी के भक्तिसंत श्री रामानुजाचार्य की 1,000वीं जयंती पर उनकी स्मृति में हैदराबाद के बाह्य क्षेत्र में 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का उद्घाटन किया। अतः कथन 2 सही नहीं है।

Question 56:

यह एक प्रेम कहानी है जो, हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र से लेकर उत्तर भारत की भौगोलिक दशाओं और विशेषताओं जनिमें पठारों, भ्रंश घाटियों तथा मैदानों के साथ-साथ वन एवं वनस्पतियों का वर्णन करती है। यह परवर्ती गुप्त काल के महान महाकाव्यों में से एक थी।

नमिनलखिति में से कसि पुस्तक का वर्णन ऊपर कया गया है?

1. कुमारसंभवम्
2. रघुवंशम्
3. मेघदूतम्
4. ऋतुसंहार

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- **संस्कृत काव्य:** इस वधि को काव्य या कवति कहा जाता है। नाटक खंड के वपिरीत जहाँ कहानी पाठ का मुख्य केंद्रण होती है, काव्य की वधि शैली, भाषण की आकृति आदि पर अधिक ध्यान केंद्रति करती है। **सबसे महान संस्कृत कवयिों में से एक कालदास** हैं जिन्होंने कुमारसंभवम् (कुमार का जन्म) और रघुवंशम् (रघुओं का वंश) की रचना की थी। **इन्होंने मेघदूतम् (संदेशवाहक मेघ) और ऋतुसंहारम् (ऋतुओं का मशिर्ण)** नामक दो छोटे महाकाव्यों की रचना भी की थी। **अतः वकिल्प C सही है।**
- मेघदूतम्, कालदास की एक संस्कृत काव्य रचना है, यह एक रहस्यमय व्यक्तिके पृथ्वी पर नरिवासति होने की कहानी बताती है जो अपनी पत्नी को एक गुजरते मेघ के माध्यम से संदेश भेजता है।
- यह मेघ उन स्थानों का सुंदरता का वर्णन करता है जहाँ से वह गुजरता है। यह रचना अपने गीतात्मक सौंदर्य, प्रकृत विर्णन और मानवीय भावनाओं की अभवियक्तिके लयि प्रशंसति है।

Question 57:

नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. शूद्रक द्वारा लखिति सारपुत्रप्रकरण को शास्त्रीय संस्कृत नाटक का पहला उदाहरण माना जाता है।
2. अश्वघोष ने सबसे पहले अपने नाटक मृच्छकटकिम में संघर्ष के सार का परचिय दयाि था।
3. कूथयिट्टम (कूडयिट्टम) भारत का सबसे पुराना रंगमंच और जीवंत परंपरा है जो केरल में 10वीं शताब्दी ईस्वी से जीवंत है।

उपरयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2
3. केवल 3

4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- प्रख्यात दार्शनिक अश्वघोष द्वारा रचित सारपुत्रप्रकरण को शास्त्रीय संस्कृत नाटक का पहला उदाहरण माना जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- शूद्रक ने सबसे पहले अपने नाटक मृच्छकटिकम में संघर्ष का सार प्रस्तुत किया था। इस नाटक में नायक और नायिका के अलावा पहली बार एक प्रतपिक्वी को दिखाया गया है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- कूथियाट्टम (कूडियाट्टम) भारत का सबसे पुराना रंगमंच और जीवंत परंपरा है जो केरल में 10वीं शताब्दी ईस्वी से जीवंत है।
- इसमें पूरी तरह से नाट्य शास्त्र में निर्धारित नियमों का पालन होता है और केरल की चाक्यार तथा नांबियार जातियों का पारंपरिक विशेषाधिकार है। अतः कथन 3 सही है।

Question 58:

दर्शन की वेदांत शाखा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ब्रह्मसूत्र इस दर्शन का आधार बना।
2. शंकराचार्य, भक्तिको मोक्ष प्राप्ति का मार्ग मानते हैं।
3. रामानुजन, ज्ञान को मोक्ष प्राप्ति का मुख्य साधन मानते हैं।

उपर्युक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीनों
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- वेदांत दर्शन का आधार बनने वाला सबसे पुराना ग्रंथ **बादरायण का ब्रह्मसूत्र** था जिसे ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में रचित और संकलित किया गया था। यह दर्शन प्रतपिदति करता है कि ब्रह्म ही जीवन की वास्तविकता है और बाकी सब कुछ मिथिया या माया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- शंकराचार्य ने उपनिषदों और भगवद्गीता पर टीकाएँ लिखी हैं। उनके परिवर्तनों से **अद्वैत वेदांत** का विकास हुआ। इस विचारधारा के एक अन्य प्रमुख दार्शनिक रामानुजन थे। इनके द्वारा ब्रह्म को नरिगुण माना गया है। इन्होंने **ज्ञान** को मोक्ष प्राप्तिका मुख्य साधन माना है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- रामानुज का दार्शनिक आधार शुद्ध अद्वैतवाद था तथा हद्वि परंपरा में इसे वशिष्टाद्वैत कहा गया है। इसमें ब्रह्मा को कुछ गुणों से युक्त माना गया है। इसमें आस्था से प्रेम करने तथा भक्ति करने को मोक्ष प्राप्त करने का मार्ग माना गया है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

Question 59:

मीमांसा दर्शन के संबंध में नमिनलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी स्थापना जैमिनी ने की थी।
2. यह दर्शन तर्क, व्याख्या और अनुप्रयोग की कला पर बल देता है।
3. इसमें कर्मकांडों को करने तथा वैदिक कर्मकांडों के पीछे के औचित्य और तर्क को समझने के द्वारा ही मोक्ष प्राप्तिका स्वीकार किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

मीमांसा दर्शन:

- 'मीमांसा' शब्द का शाब्दिक अर्थ **तर्क, व्याख्या और अनुप्रयोग की कला** है। यह दर्शन, संहिता और ब्राह्मण ग्रंथों के विश्लेषण पर केंद्रित है जो वेदों के भाग हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
 - इनका तर्क है कि वेदों में शाश्वत सत्य समाहित है और ये सभी ज्ञान के भंडार हैं। यदकिसी को धार्मिक पुण्य प्राप्त करना है, स्वर्ग और मोक्ष प्राप्त करना है तो उसे वेदों द्वारा नरिधारित सभी कर्तव्यों को पूरा करना होगा।
- **जैमिनी सूत्र को मीमांसा दर्शन का वस्तितार से वर्णन करने वाला ग्रंथ माना जाता है** जिसकी रचना तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में हुई थी। **अतः कथन 1 सही है।**

- उनका तर्क है कि अनुष्ठान करने से मोक्ष संभव है लेकिन वैदिक अनुष्ठानों के औचित्य और तर्क को समझना भी आवश्यक है। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 60:

ज्जानेश्वर, नामदेव, एकनाथ और तुकाराम, वैष्णववाद के नमिनलखिति किसि संप्रदाय से संबंधति थे?

1. वरकरी पंथ
2. रामानंदी संप्रदाय
3. ब्रह्म संप्रदाय
4. नमिबार्क संप्रदाय

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

• वरकरी पंथ:

- इस संप्रदाय के अनुयायी वठोबा के रूप में भगवान वशिष्ठ के भक्त हैं और इनकी पूजा का केंद्र महाराष्ट्र के पंढरपुर में वठोबा मंदिर है। इस संप्रदाय में शराब और तंबाकू के प्रति सख्त परहेज किया जाता है।
- इनकी वार्षिक धार्मिक तीर्थयात्रा, वारी काफी लोकप्रिय होती है। वारी के दौरान संतों की पादुकाओं को समाधि से पंढरपुर तक पालकी में ले जाया जाता है।
- इस तीर्थयात्रा के दौरान रगिन और धावा जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
- इस संप्रदाय के प्रमुख व्यक्तियों में **ज्जानेश्वर (1275-1296), नामदेव (1270-1350), एकनाथ (1533-1599) और तुकाराम (1598-1650) शामिल हैं। अतः विकल्प A सही है।**

• रामानंदी संप्रदाय:

- ये अद्वैत विद्वान रामानंद की शिष्याओं का पालन करते हैं। यह एशिया में हिंदू धर्म के तहत सबसे बड़ा मठवासी समूह है।
- इसके दो उपसमूह त्यागी और नागा हैं।

• ब्रह्म संप्रदाय:

- यह भगवान वशिष्ठ, परंब्रह्म या ब्रह्मांड निर्माता से संबंधित है।
- इसके संस्थापक माधवाचार्य थे। चैतन्य महाप्रभु द्वारा प्रचारित गौड़ीय वैष्णव धर्म, ब्रह्म संप्रदाय से संबंधित है। **इस्कॉन इस संप्रदाय से संबंधित है।**

• नमिबार्क संप्रदाय:

- इसे हमसा संप्रदाय और कुमार संप्रदाय के रूप में भी जाना जाता है इसके अनुयायी राधा और कृष्ण देवताओं की पूजा करते हैं।



Question 61:

शास्त्रीय नृत्य वधाओं के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचार कीजयि:

1. जातसिवरम, शबदम भरतनाट्यम या अग्ननृत्य के मूल तत्त्व हैं ।
2. मांडुक शबदम और तरंगम कुचपुडुी नृत्य से संबंघति हैं ।
3. बाटू नृत्य, पल्लवी और थरजिम ओडसीी नृत्य के मूल तत्त्व हैं ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

भारतीय शास्त्रीय नृत्य के रूप:

- संगीत नाटक अकादमी के अनुसार, वर्तमान में भारत में आठ शास्त्रीय नृत्य वधाएँ अस्तित्व में हैं ।

भरतनाट्यम:

- इस नृत्य वधा की उत्पत्ति तमलिनाडु में मंदरि नर्तकयिों या 'देवदासयिों' के एकल नृत्य प्रसुतुति 'सादरि' में देखी जा सकती है, इसलयि इसे 'दाशीअट्टम' भी कहा जाता था ।
- उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्व में, तंजावुर के चार नृत्य शकुषकों ने भरतनाट्यम गायन के तत्त्वों को परभाषति कयिा । वे हैं:
 - **जातसिवरम**— यह नृत्य घटक है और अभवियकृतरहिति है, इसमें वभिन्निन मुद्राएँ और गतयिों सम्मलिति हैं ।
 - **शबदम**— यह गीत में अभनिय को अभवियकृत शबदों के साथ समावषिट करने वाला नाटकीय तत्त्व है । सामान्यतः इसे ईश्वर की प्रशंसा में प्रयुक्त कयिा जाता है ।
- **भरतनाट्यम को प्रायः 'अग्ननृत्य' के नाम से भी जाना जाता है**, क्योकयिह मानव शरीर में अग्निकी अभवियकृतरि है । भरतनाट्यम में अधकिाँश मुद्राएँ लहराती हुई आग की लपटों से सादृश्य रखती हैं । **अतः कथन 1 सही है ।**

कुचपुडुी:

- वजियनगर और गोलकुंडा शासकों के संरक्षण में इस नृत्य वधा को वशिषिट महत्त्व प्रापुत हुआ ।
- कुचपुडुी नृत्य वधा में लास्य और तांडव दोनों तत्त्व महत्त्वपूर्ण हैं । समूह प्रदर्शनों के अतरिकित, कुचपुडुी में कुछ लोकप्रयि एकल तत्त्व भी हैं । उनमें से कुछ हैं:
 - **मांडुक शबदम** — एक मँढक की कहानी कहता है ।
 - **तरंगम** — नर्तक अपने करतब को एक पीतल की तशतरी के कनारों पर पाँव रख कर तथा अपने सरि पर जल पात्र या दीयों के एक समूह को संतुलति रखते हुए प्रसुतुत करता है ।
 - **जल चतिर नृत्यम** — इस प्रदर्शन में, नर्तक नृत्य करते हुए अपने पैर के अंगुठों से सतह पर चतिर बनाता है । **अतः कथन 2 सही है ।**



ओडिसी: उदयगिरि-खंडगिरी की गुफाएँ ओडिसी नृत्य के कुछ प्रारंभिक उदाहरण प्रदान करती हैं। ओडिसी नृत्य के तत्वों में शामिल हैं:

- **मंगलाचरण** या प्रारंभ, जिसमें पृथ्वी माता को पुष्प अर्पण किया जाता है।
- नृत्य युक्त **बाहु नृत्य**, इसमें त्रिभुज और चौक आसन होता है।
- **पल्लवी**, जिसमें चेहरे के भाव और गीत का प्रतरूप सम्मिलित होता है।
- **थारझिम**, जिसमें समापन से पूर्व शुद्ध नृत्य सम्मिलित होता है। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 62:

नमिन्लखिति पर वचिार कीजयि:

1. सुजनी
2. काशीदाकारी
3. कौंडापल्ली बोम्मलु

उपरयुक्त में से कौन-सी कढ़ाई तकनीक है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 1 और 3
3. केवल 2
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

कढ़ाई एक सजावटी कला है जिसमें सुई और धागे का उपयोग करके कपड़े पर डिज़ाइन या नशिकति पैटर्न में सलाई करना शामिल है।

- **काशीदाकारी:** यह कश्मीर घाटी की सबसे **प्रसिद्ध कढ़ाई** है। 'काशीदाकारी' शब्द का शाब्दिक अर्थ 'सुई के कार्य' से है। इसमें पुष्प प्रतरूप वाले सरल चैन टाँके का उपयोग किया जाता है। **अतः विकल्प 1 सही है।**
- **सुजनी:** बिहार का सुजनी कढ़ाई कार्य, एक कपड़ा अभिव्यंजक कला उत्पाद है, जिसे GI पंजीकरण अधिनियम के तहत संरक्षण दिया गया है। इस कार्य में उपयोग किया जाने वाला कपड़ा आमतौर पर लाल या सफेद होता है। इसमें मुख्य रूपांकन की रेखा को एक मोटी चैन जैसी सलाई के साथ प्रदर्शित किया जाता है। **अतः विकल्प 2 सही है।**
- **कौंडापल्ली बोम्मलु खिलौने:** कौंडापल्ली खिलौने भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश के वजियवाड़ा के पास कृष्णा ज़िले के कौंडापल्ली में लकड़ी से बने खिलौने हैं। इन्हें मुलायम लकड़ी का उपयोग करके बनाया जाता है। इसमें लकड़ी के टुकड़े को नमी रहति बनाने के लिये गर्म किया जाता है। इसके बाद खिलौने के अलग-अलग हिस्सों को अलग-अलग तराशकर एक साथ चपिका दिया जाता है। **अतः विकल्प 3 सही नहीं है।**

Question 63:

यह शैली वशिष्ट प्रकार की आलंकारिक चित्रकारी के लिये प्रसिद्ध है। मराठा शासकों ने 18वीं शताब्दी में इसको अत्यधिक संरक्षण प्रदान किया। चित्रकला की यह शैली इस विषय में अद्वितीय है कि उत्तर भारत में मुख्य रूप से वस्त्र और चर्मपत्र का प्रयोग होता है, जबकि इन्हें अधिकतर काँच और लकड़ी के तख्ते पलंगई पदम/बोर्ड पर चित्रित किया गया है। यह शैली उत्कृष्ट रंग पैटर्न और स्वर्ण-पत्र का उदारतापूर्वक प्रयोग करने के कारण भी अद्वितीय है। इस काल में चरिकालिक प्रभाव उत्पन्न करने के लिये अलंकरणों हेतु कई प्रकार के रत्नों और तराशे हुए काँचों का प्रयोग किया गया है।

निम्नलिखित में से कौन-सी लोक चित्रकारी उपर्युक्त उल्लेखित लोक-कला की विशेषताओं का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

1. पट्टचित्र
2. पट्टा कला
3. तंजौर चित्रकला
4. फड़ चित्रकला

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- **पट्टचित्र:** ओडिशा की एक पारंपरिक चित्रकारी है। इस चित्रकारी का आधार उपचारित वस्त्र होता था, जिसमें प्रयोग किये गये रंग प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त होते थे। **कोई पेंसिल या चारकोल का उपयोग नहीं किया जाता था, बल्कि इसके स्थान पर लाल या पीले रंग से बाह्य रेखा निर्मित करने के लिये ब्रश का प्रयोग किया जाता था और उसके उपरान्त रंग भरे जाते थे।** इन चित्रों के विषय जगन्नाथ और वैष्णव पंथ से प्रेरित हैं।
- **पट्टा कला:** बंगाल की चित्रकला है। इन चित्रकलाओं को पट्टे पर निर्मित किया जाता था और कई पीढ़ियों तक स्कूल चित्रकार या पट्टा, भोजन या पैसे के बदले अपनी कहानियाँ गाने के लिये विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करते थे। परंपरागत रूप से इन्हें कपड़े पर चित्रित किया जाता था एवं धार्मिक कहानियों को वर्णित किया जाता था; आज के समय में इनका उपयोग राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिये प्रयोग किया जाता है।
- **तंजौर चित्रकला:** तंजावुर या तंजौर शैली वशिष्ट प्रकार की आलंकारिक चित्रकलाओं के लिये प्रसिद्ध है। मराठा शासकों ने 18वीं शताब्दी में इसको अत्यधिक संरक्षण प्रदान किया। चित्रकला की यह शैली इस विषय में अद्वितीय है कि उत्तर भारत में मुख्य रूप से वस्त्र और चर्मपत्र का प्रयोग होता है, जबकि इन्हें अधिकतर काँच और लकड़ी के तख्ते पलंगई पदम/बोर्ड पर चित्रित किया गया है।
 - वे उत्कृष्ट रंग पैटर्न और स्वर्ण-पत्र का उदारतापूर्वक प्रयोग करने के कारण भी अद्वितीय हैं। इस काल में चरिकालिक प्रभाव उत्पन्न करने के लिये अलंकरणों हेतु कई प्रकार के रत्नों और तराशे हुए काँचों का प्रयोग किया गया है। अधिकतर चित्रकलाओं में मुस्कुराते हुए कृष्ण की विभिन्न मुद्राओं और उनके जीवन की प्रमुख घटनाओं को चित्रित किया गया है।
 - यह चित्रकला महान संरक्षक महाराज सरफोजी के संरक्षण में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँची। **अतः विकल्प C सही है।**
- **फड़ चित्रकला:** यह चित्रकला मुख्य रूप से राजस्थान में पाई जाती है और यह कुंडलित चित्रकारी (स्करोल पैटिंग) है। इसमें फड़ नामक कपड़े के एक लंबे टुकड़े पर शाकीय रंगों से चित्रण किया जाता है। इसमें मानव आकृतियों की आँखें बड़ी-बड़ी होती हैं और चेहरे गोल होते हैं।

Question 64:

राष्ट्रीय आयुष मशिन के संबंध में नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

1. आयुर्वेद: सकूली बचचों के लयि आयुष के माधयम से स्वस्थ जीवन शैली को बढावा देना
2. सुप्रजा: आयुष आधारति वृद्धावस्था कार्यक्रम
3. वयोमतिर: मातृ एवं नवजात शशु देखभाल के लयि आयुष

दयि गए युगमों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में **राष्ट्रीय आयुष मशिन (NAM)** की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का उद्घाटन कयिा गया ।
- इस बैठक में **राष्ट्रीय आयुष मशिन के नमिनलखिति ठोस कार्यक्रमों पर प्रकाश** डाला गया:
 - **आयुर्वेद:** आयुष के माधयम से **सकूली बचचों के लयि** स्वस्थ जीवनशैली को बढावा देना । **अतः युगम 1 सही है ।**
 - **सुप्रजा:** **मातृ एवं नवजात शशु देखभाल** के लयि आयुष ।
 - **वयोमतिर:** आयुष आधारति **वृद्धावस्था कार्यक्रम;** ऑस्टियो आर्थराइटिस और अन्य मस्क्युलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम एवं प्रबंधन । **अतः युगम 3 सही नहीं है ।**
- इस मशिन को ज़रूरतमंद जनता को सूचति विकल्प प्रदान करने के लयि स्वास्थय सुवधिओं को मज़बूत और बेहतर बनाकर पूरे देश में आयुष स्वास्थय देखभाल सेवाएँ प्रदान करने के वज़िन एवं उद्देश्यों के साथ कारयान्वति कयिा जा रहा है ।
- इस मशिन के तहत आयुष मंत्रालय **वर्ष 2023-24** तक राज्य/केंद्रशासति प्रदेश सरकारों के सहयोग से **12,500 आयुष स्वास्थय और कल्याण केंद्रों** के संचालन की दशिा काम कर रहा है ।

Question 65:

नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

चतिरकला - स्थान

1. सतितनवासल गुफा चतिरकला - ओडशिा
2. रावण छाया चतिरकला - तमलिनाडु
3. लेपाकषी मंदरि चतिरकला - केरल

उपर्युक्त में से कतिने युग सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युग
2. केवल दो युग
3. सभी तीनों युग
4. कोई भी युग नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- **सतितनवासल गुफा (अरविर कोइल) चित्रकला:** तमलिनाडु में पहली शताब्दी ईसा पूर्व से 10 वीं शताब्दी ईस्वी तक के प्रसिद्ध शैलकृत गुफा मंदिर, जैन धर्म पर आधारित पेंटिंग के लिये जाने जाते हैं। **अतः युग 1 सही सुमेलति नहीं है।**
- **रावण छाया शैल आश्रय: ओडिशा** के कर्णोझर जिले में स्थित एक शैल आश्रय पर ये प्राचीन भित्तिचित्र आधी खुली छतरी के आकार में हैं। ऐसा माना जाता है कि यह आश्रय स्थल शिकार करने वालों का शाही ठिकाना था। इसकी सबसे उल्लेखनीय पेंटिंग एक शाही जुलूस की है जो 7वीं शताब्दी ईस्वी की है। **अतः युग 2 सही सुमेलति नहीं है।**
- **लेपाक्षी मंदिर चित्रकला: आंध्र प्रदेश** के अनंतपुर जिले में स्थित, इन भित्तिचित्रों को 16वीं शताब्दी में लेपाक्षी के वीरभद्र मंदिर की दीवारों पर बनाया गया था। वजियनगर काल के दौरान निर्मित इन चित्रों में रामायण, महाभारत और वशिष्ठ के अवतारों पर आधारित धार्मिक विषयों को शामिल किया गया है। **अतः युग 3 सही सुमेलति नहीं है।**

Question 66:

भारत में प्रागैतहासिक चित्रकला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रागैतहासिक चित्रों के प्रथम रूपांकन को छत्तीसगढ़ की जोगीमारा गुफाओं में खोजा गया था।
2. उच्च पुरापाषाण काल में समूह शिकार को चित्रित करना सामान्य दृश्य है।
3. ताम्रपाषाण काल के अधिकांश चित्रों में युद्ध के दृश्य चित्रित हैं।

उपर्युक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीनों

4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

प्रागैतहासिक चित्रकला को आमतौर पर चट्टानों पर चित्रित किया जाता था और पत्थरों पर इस उत्कीर्णन को पेट्रोग्लिफिस कहा जाता था।

- प्रागैतहासिक चित्रों के प्रथम रूपांकन को मध्य प्रदेश की भीमबेटका गुफाओं में खोजा गया था। अतः कथन 1 सही नहीं है।

प्रागैतहासिक चित्रकला के तीन प्रमुख चरण हैं:

- **उच्च पुरापाषाण काल (40,000-10,000 ईसा पूर्व):** इस दौरान गुफाओं की दीवारें क्वार्टजाइट से बनी थीं, इसलिये रंग हेतु खनजिों का उपयोग किया जाता था। इस काल में सफेद, गहरे लाल और हरे रंग का उपयोग बड़े जानवरों जैसे बाइसन, हाथी, गैंडा, बाघ आदि को चित्रित करने के लिये किया जाता था। लाल रंग का उपयोग शिकारियों के लिये किया जाता था और हरे रंग का उपयोग ज्यादातर नर्तकियों के लिये किया जाता था।
- **मध्यपाषाण काल (10,000-4000 ईसा पूर्व):** इस काल में मुख्य रूप से लाल रंग का प्रयोग देखा गया। उच्च पुरापाषाण काल की तुलना में इस काल में चित्रों का आकार छोटा हो गया। इन चित्रों में चित्रित सबसे आम दृश्यों में से एक समूह शिकार है और कई अन्य चित्रों में चराई गतिविधि के दृश्य दर्शाए गए हैं। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- **ताम्रपाषाण काल:** इस काल में हरे और पीले रंगों के प्रयोग वाले चित्रों की संख्या में वृद्धि देखी गई। इस दौरान अधिकतर पेंटिंग्स में युद्ध के दृश्य दर्शाए गए हैं। इसके साथ ही घोड़ों और हाथियों पर सवार पुरुषों के चित्र भी मिलते हैं। इनमें से कुछ के पास धनुष और तीर भी दिखाए गए हैं जिनसे युद्ध की तैयारी का संकेत मिलता है। अतः कथन 3 सही है।

Question 67:

होयसल मंदिरों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कर्नाटक के बेलूर, हलेबिडि और सोमनाथपुर के होयसल मंदिरों को UNESCO की विश्व धरोहर सूची में जोड़ा गया है।
2. चैन्नकेशव मंदिर का निर्माण होयसल राजा विष्णुवर्धन ने चोलों पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में करवाया था।
3. सोमनाथपुर का केशव मंदिर एक सुंदर त्रिकुटा मंदिर है जो भगवान कृष्ण को तीन रूपों- जनार्दन, केशव और वेणुगोपाल को समर्पित है।

उपर्युक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक
2. सिर्फ दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- होयसल के पवित्र मंदिर समूह, कर्नाटक के बेलूर, हलेबिडि और सोमनाथपुर के प्रसिद्ध होयसल मंदिर को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की विश्व वरिष्ठ सूची में जोड़ा गया है। यह समावेशन भारत में 42वें UNESCO विश्व धरोहर स्थल का प्रतीक है। अतः कथन 1 सही है।
 - हाल ही में शान्तिनिकेतन, जो पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले में स्थित है, को भी UNESCO की विश्व वरिष्ठ सूची में शामिल किया गया था।
- बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर:
 - इसका निर्माण होयसल राजा विष्णुवर्धन ने 1116 ई. में चोलों पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में करवाया था। अतः कथन 2 सही है।
 - बेलूर (जैसे पुराने समय में वेलपुरी, वेलूर और बेलपुर के नाम से भी जाना जाता था) यागाची नदी के तट पर स्थित है तथा यह होयसल साम्राज्य की राजधानियों में से एक था।
- सोमनाथपुर का केशव मंदिर:
 - यह एक सुंदर त्रिकुटा मंदिर है जो भगवान कृष्ण के तीन रूपों- जनार्दन, केशव और वेणुगोपाल को समर्पित है।
 - इसमें केशव की मूर्ति गायब है और जनार्दन तथा वेणुगोपाल की मूर्तियाँ क्षतिग्रस्त हैं।

Question 68:

दक्षिण भारत में मंदिर वास्तुकला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दक्षिण भारत में मंदिर वास्तुकला पल्लव शासक, नरसमिहावर्मन के अधीन शुरू हुई थी।
2. 7वीं शताब्दी के एक पल्लव स्थल को वर्ष 1984 में "महाबलीपुरम के स्मारकों के समूह" नाम से यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 2
3. 1 और 2 दोनों
4. न तो 1 और न ही 2

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- दक्षिण भारत में मंदिर वास्तुकला पल्लव शासक, महेंद्रवर्मन के अधीन शुरू हुई। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- पल्लव वंश के दौरान विकसित मंदिरों को कालानुक्रमिक रूप से चार चरणों में वर्गीकृत किया जा सकता है:
 - महेंद्र समूह: यह पल्लव मंदिर वास्तुकला का पहला चरण था। इनके अधीन, मंदिरों को मंडप के रूप में जाना जाता था (नागर शैली के विपरीत जसमें मंडप का तात्पर्य केवल सभा कक्ष होता था)।
 - नरसमिहा समूह: यह दक्षिण भारत में मंदिर वास्तुकला के विकास के दूसरे चरण का प्रतिनिधित्व करता है।
 - राजसमिहा समूह: यह पल्लव मंदिर वास्तुकला का तीसरा चरण था। इस दौरान चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों के स्थान पर वास्तविक संरचनात्मक मंदिरों का विकास शुरू हुआ था।
 - नंदविरमन समूह: यह पल्लव काल के दौरान मंदिर विकास का चौथा चरण था। इस दौरान बनाए गए मंदिर आकार में छोटे थे। इसकी विशेषताएँ मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली के लगभग समान थीं।
 - पल्लव राजवंश के पतन के बाद, चोल साम्राज्य के तहत मंदिर वास्तुकला की एक नई शैली विकसित हुई जिसे द्रविड़ शैली के रूप में जाना जाता है।
- तमलिनाडु में पल्लव राजवंश के अधीन प्राचीन बंदरगाह शहर मामलपुरम में कई अद्भुत वास्तुकलाओं का विकास हुआ। 7वीं शताब्दी के इस पल्लव स्थल को वर्ष 1984 में "महाबलीपुरम के स्मारकों का समूह" नाम से यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। अतः कथन 2 सही है।

Question 69:

UNESCO के अनुसार नमिनलखिति में से कौन सा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का उदाहरण नहीं है?

1. कुटियेट्टम, भारत का संस्कृत रंगमंच
2. रामलीला, भारत की रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन
3. ताज महल, भारत का एक मकबरा
4. योग, भारत का एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

हाल ही में UNESCO ने बोत्सवाना में अंतर-सरकारी समिति के अपने 18वें बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर गुजरात के प्रतिष्ठित गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (ICH) की अपनी प्रतिष्ठित प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।

- अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर से तात्पर्य उन प्रथाओं, प्रतिनिधित्वों, अभिव्यक्तियों, ज्ञान, कौशल तथा संबंधित उपकरणों, वस्तुओं, कलाकृतियों एवं सांस्कृतिक स्थलों से है जिन्हें समुदाय, समूह व व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक धरोहर के हिस्से के रूप में पहचानते हैं।
 - ताज महल एक मूर्त सांस्कृतिक धरोहर है क्योंकि यह एक इमारत, ऐतिहासिक स्थल, स्मारक व कलाकृति है। अतः विकल्प C सही है।

भारत की मौजूदा यूनेस्को की ICH सूची:

1.	वैदिक जप की परंपरा, 2008	8.	लद्दाख का बौद्ध जप: हिमालय के लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ, 2012
2.	रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन, 2008	9.	मणिपुर का संकीर्तन, अनुष्ठान, गायन, ढोलक बजाना और नृत्य करना, 2013
3.	कुटियाट्टम, संस्कृत थिएटर, 2008	10.	जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच पारंपरिक तौर पर पीतल और तांबे के बर्तन बनाने का शिल्प, 2014
4.	रम्माण, गढ़वाल हिमालय (भारत) के धार्मिक उत्सव और परंपरा का मंचन, 2009	11.	योग, 2016
5.	मुदियेट्टु, अनुष्ठान थियेटर और केरल का नृत्य नाटक, 2010	12.	नवरोज़, 2016
6.	कालबेलिया राजस्थान का लोकगीत और नृत्य, 2010	13.	कुंभ मेला, 2017
7.	छऊ नृत्य, 2010	14.	दुर्गा पूजा, 2021

15. गुजरात का गरबा नृत्य

Question 70:

पार्थेनन मूर्तियों के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर वचार कीजिये:

1. ग्रीस संग्रहालय में रखी पार्थेनन मूर्तियाँ 30 से अधिक प्राचीन पत्थर की मूर्तियों का संग्रह है।
2. ये कलाकृतियाँ एथेंस के स्वर्ण युग के महत्त्वपूर्ण अवशेष हैं।
3. ये कलाकृतियाँ देवी आर्टेमिस को समर्पित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

• पार्थेनॉन मूर्तियों के बारे में :

- ब्रिटिश संग्रहालय में रखी पार्थेनॉन मूर्तियाँ पत्थर की ग्रीस की 30 से अधिक प्राचीन मूर्तियों का संग्रह है, जो 2,000 वर्ष से अधिक पुरानी हैं। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- मूल रूप से एथेंस में एक्रोपोलिस पहाड़ी पर पार्थेनॉन मंदिर की दीवारों और मैदानों को सजाने वालीये कलाकृतियाँ एथेंस के स्वर्ण युग के महत्त्वपूर्ण अवशेष हैं, मंदिर का निर्माण 432 ईसा पूर्व में पूरा हुआ था। अतः कथन 2 सही है।
- देवी एथेना को समर्पित, पार्थेनॉन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व की प्रतीक है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

Question 71:

नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. गांधार कला शैली कृष्णा नदी के तट के समानांतर कषेत्रों में वकिसति हुई थी।
2. मथुरा कला शैली तीनों धर्मों-बौद्ध धर्म, हद्वि धर्म और जैन धर्म के वषियों से प्रभावति थी।
3. अमरावती कला शैली का वकिसास पंजाब की पश्चिमी सीमा के कषेत्रों में हुआ था।

उपरयुक्त में से कतिने कथन सही नहीं हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीनों
4. कोई भी नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- गांधार कला शैली पंजाब की पश्चिमी सीमा पर (आधुनिक पेशावर और अफगानिस्तान के पास) वकिसति हुई। ग्रीक आक्रमणकारी अपने साथ ग्रीक और रोमन मूर्तिकारों की परंपराएँ लेकर आए, जसिने इस कषेत्र की स्थानीय परंपराओं को प्रभावति कयि। इस प्रकार गांधार कला शैली को ग्रीको-इंडियन कला शैली के नाम से भी जाना जाने लगा। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- पहली और तीसरी शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधामें मथुरा कला शैली यमुना नदी के तट के समानांतर कषेत्रों में वकिसति हुई थी। मथुरा कला शैली की मूर्तियाँ उस समय के तीनों धर्मों - बौद्ध धर्म, हद्वि धर्म और जैन धर्म की कहानियों और छवियों से प्रभावति थी। अतः कथन 2 सही है।
- भारत के दक्षिणी भागों में सातवाहन शासकों के संरक्षण में कृष्णा नदी के तट के समानांतर कषेत्रों में अमरावती कला शैली वकिसति हुई। अन्य दो कला शैलियों में जहाँ एकल छवियों पर ध्यान केंद्रति कयि गया वही अमरावती कला शैली में गतशील छवियों के उपयोग पर अधिक बल दयिा गया अतः कथन 3 सही नहीं है।

Question 72:

यह चित्र आंध्र प्रदेश के अनंतपुर ज़िले में स्थित है; ये भक्ति चित्र 16वीं शताब्दी में लेपाक्षी वीरभद्र मंदिर की दीवारों पर चित्रित किये गए थे। वजियनगर काल के दौरान निर्मित, यह चित्र रामायण, महाभारत और वशिष्ठ के अवतारों पर आधारित एक धार्मिक विषय का अनुगमन करते हैं। इन चित्रों में प्राथमिक रंगों, विशेष रूप से नीले रंग का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। जबकि गुणवत्ता के स्तर पर इस चित्रकला में गरिवट दिखाई देती है। इन चित्रांकनों में वेशभूषा, आकृतियों और विवरणों को काले रंग से रेखांकित किया गया था।

निम्नलिखित में से कौन-सी चित्रकला शैली इन विशेषताओं को समाहित करती है?

1. रावण छाया शैल आश्रय
2. लेपाक्षी चित्रकला
3. बाग गुफा चित्रकला
4. केरल की म्यूरल चित्रकला

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- 16वीं शताब्दी में आंध्र प्रदेश के अनंतपुर ज़िले में स्थित **लेपाक्षी भक्ति चित्रों** का चित्रण लेपाक्षी वीरभद्र मंदिर की दीवारों पर किया गया था।
- वजियनगर काल के दौरान निर्मित, यह चित्र रामायण, महाभारत और वशिष्ठ के अवतारों पर आधारित एक धार्मिक विषय का अनुगमन करते हैं **इन चित्रों में प्राथमिक रंगों में**, विशेष रूप से नीले रंग का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। जबकि गुणवत्ता के स्तर पर इस चित्रकला में गरिवट दिखाई देती है। इनकी वेशभूषा, आकृतियों और विवरणों को काले रंग से रेखांकित किया गया था।

अतः विकल्प B सही है।

Question 73:

निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये:

शखर के प्रकार - विशेषताएँ

1. रेखा-प्रसाद - आधार चौड़ा और ऊँचाई में छोटा
2. फम्साना - आधार पर वर्गाकार और दीवारें अंदर की ओर मुड़ी हुई
3. वल्लभी - छत गुंबददार कक्षों में उभरी हुई

उपर्युक्त में से कतिने युग सही सुमेलित हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीनों युगम
4. कोई भी युगम नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या: मंदिर वास्तुकला की नागर शैली में शिखर सामान्यतः तीन प्रकार के होते थे:

- **लैटिना या रेखा-प्रसाद:** ये आधार पर चौकोर थे और दीवारें शीर्ष पर एक बटु तक अंदर की ओर मुड़ी हुई थीं। अतः युगम 1 सही सुमेलित नहीं है।
- **फमसाना:** इनका आधार व्यापक था और लैटिना की तुलना में यह ऊँचाई में छोटे थे। ये एक सीधी रेखा में ऊपर की ओर झुके होते थे। अतः युगम 2 सही सुमेलित नहीं है।
- **वल्लभी:** इनका आधार आयताकार था जिसकी छत गुंबददार कक्षों में उभरी हुई थी। इन्हें वैगन-वॉल्टेड छतें भी कहा जाता था। अतः युगम 3 सही सुमेलित है।

Question 74:

निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये :

महत्त्वपूर्ण स्थल - प्रमुख पुरातात्विक खोज

1. धोलावीरा - डॉकयार्ड
2. लोथल - बाँध
3. चनहुदड़ो - बनिा दुर्ग का शहर

उपर्युक्त में से कतिने युगम सही सुमेलित हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीनों युगम
4. कोई भी युगम नहीं

Correct Answer : 1

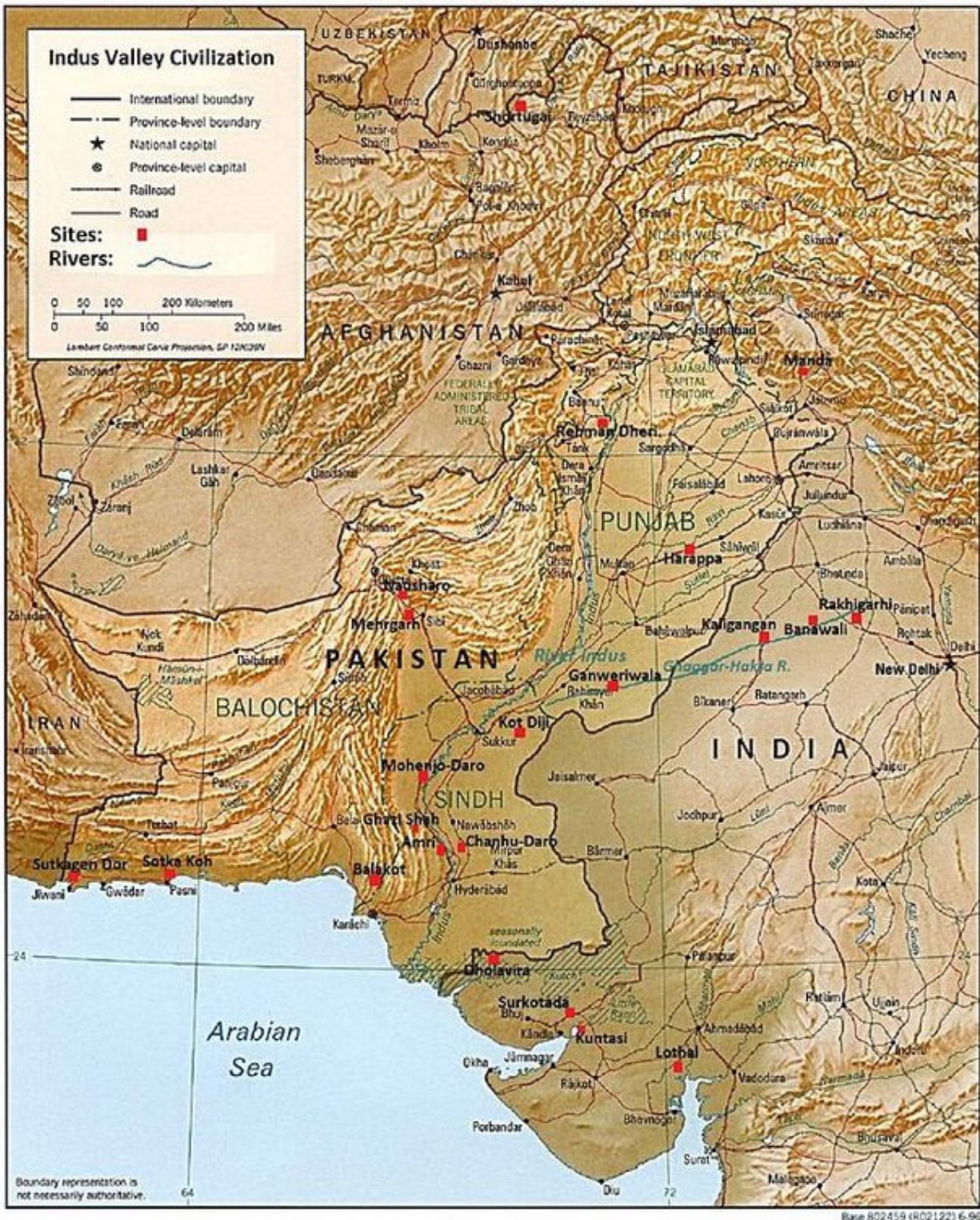
Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- **धोलावीरा, गुजरात** - विशाल जल भंडार, अद्वितीय जल संचयन प्रणाली, **बाँध और तटबंध**, एक वजिजापन बोर्ड की तरह 10 बड़े आकार के संकेतों से युक्त शिलालेख। यह खोजा जाने वाला नवीनतम IVC शहर है। **अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- **लोथल, गुजरात** - नौसैनिकी व्यापार के लिये एक महत्त्वपूर्ण स्थल, इसमें **एक डॉकयार्ड**, चावल की भूसी, अग्निविदियों, चित्रित जार, आधुनिक शतरंज, घोड़े और जहाज की टेराकोटा मूर्तियाँ, 45, 90 और 180 डिग्री के कोण मापने के उपकरण के संकेत। **अतः युग 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **चनहुदड़ो (भारत का लंकाशायर)** वर्तमान पाकिस्तान में स्थित है - **बनिा दुर्ग वाला एकमात्र सधु शहर।** यहाँ मनके बनाने के कारखाने तथा लपिस्टिक के प्रयोग के साक्ष्य मिले हैं। **अतः युग 3 सही सुमेलित है।**





Question 75:

अभिलेखों के संबंध में नमिनलखित कथनों पर वचार कीजयि:

1. सोहगौरा ताम्रलेख(ताम्रपत्र), यह पूरव अशोक कालीन ब्राह्मी लपि में उकीरणति अभलिख है जसिमें दुर्भकिष राहत परयासों का उल्लेख कयि गया

है।

2. हाथीगुम्फा गुफालेख, कलिंग शासक खारवेल के बारे में जानकारी का मुख्य स्रोत है।

3. ऐहोल अभिलेख, ओडिशा के पुलकेशनि के दरबारी कवि द्वारा लिखा गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. 1, 2 और 3
4. केवल 3

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

महत्त्वपूर्ण
अभिलेख:

प्राचीन

शलालेख

और

- **सोहगौरा ताम्रलेख:** सोहगौरा ताम्रलेख के रूप में प्रसिद्ध सबसे पुराना ज्ञात ताम्रपत्र अभिलेख है, यह एक मौर्य अभिलेख है जिसमें दुर्भिक्ष राहत प्रयासों का उल्लेख मिलता है। यह भारत में बहुत कम संख्या में पाए गए पूर्व अशोक ब्राह्मी अभिलेखों में से एक है। अतः कथन 1 सही है।
- **हाथीगुम्फा गुफालेख:** हाथीगुम्फा गुफालेख, जिसे उड़ीसा में उदयगिरि की खंडगिरि गुफाओं के हाथी गुफा शलालेख के रूप में भी जाना जाता है, को दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान राजा खारवेल द्वारा उत्कीर्णित किया गया था। यह कलिंग शासक खारवेल के बारे में जानकारी का प्रमुख स्रोत है।
- **ऐहोल अभिलेख:** कर्नाटक में अवस्थित ऐहोल, चालुक्यों की प्रथम राजधानी थी। यह शलालेख संस्कृत में लिखा गया है, जिसकी लिपि किन्नड़ है। इस अभिलेख में पुलकेशनि द्वितीय द्वारा हर्षवर्धन की पराजय तथा पल्लवों पर चालुक्यों की वजिय का उल्लेख मिलता है। इसमें राजधानी को ऐहोल से बादामी स्थानांतरित करने का भी उल्लेख है। यह पुलकेशनि द्वितीय के दरबारी कवि स्वकीर्ति द्वारा उत्कीर्णित किया गया था, जिसने 610 से 642 ईसवी तक शासन किया था। अतः कथन 3 सही नहीं है।

Question 76:

निम्नलिखित में से किस राज्य ने सर्दियों के महीनों के दौरान कंबाला भैंस दौड़ का आयोजन किया, जब किसान अपनी धान की फसल काटते हैं?

1. तमलिनाडु
2. कर्नाटक

3. आंध्र प्रदेश

4. केरल

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- कंबाला एक भैंस दौड़ है जो सर्दियों के महीनों के दौरान **तटीय कर्नाटक के ज़िलों (उडुपी और दक्षिण कन्नड़)** में तब आयोजित की जाती है जब किसान अपनी धान की फसल काटते हैं।
 - यह दौड़ कीचड़ और जल से भरे दो समानांतर ट्रैक पर आयोजित की जाती है। भैंसों की प्रत्येक जोड़ी के पास ट्रैक पर जानवरों को नयित्तरति करने और आदेश देने के लिये एक जाँकी या '**कंबाला धावक**' भी होगा।
 - प्रत्येक चरण में जीतने वाली टीम चैंपियन बनने तक उच्च राउंड के लिये क्वालीफाई करती है।

अतः विकल्प B सही है।

Question 77:

निम्नलिखित वदिवानों पर विचार कीजिये:

1. अमरसहि
2. वराहमहिरि
3. कालदास

उपर्युक्त में से कतिने वदिवान चंद्रगुप्त द्वितीय के नौ रत्नों में शामिल थे?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

"नवरत्न" शब्द नौ असाधारण वदिवानों और सलाहकारों के एक समूह को संदर्भित करता है जो चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार का हिस्सा थे। ये नौ व्यक्तिसाहित्य, खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा एवं कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता हेतु प्रसिद्ध थे।

इन नौ रत्नों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

- अमरसहि: अमरसहि संस्कृत के वदिवान और कवि थे तथा उनका अमरकोश संस्कृत के मूल पहलुओं, समानार्थक शब्दों एवं पर्यायवाची शब्दों की शब्दावली है। अतः विकल्प 1 सही है।
- धन्वंतरि: वे एक महान चिकित्सक थे।
- हरषिण: उन्हें प्रयाग प्रशस्तिया इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख की रचना करने के लिये जाना जाता है।
- कहपंक : कहपंक एक ज्योतिषी थे।
- संकू: संकू वास्तुकला के क्षेत्र से संबंधित थे।
- वराहमहिरि: वराहमहिरि उज्जैन में रहते थे और उन्होंने तीन महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं: पंचसिद्धांतिका, बृहत् संहिता एवं बृहत् जातक। अतः विकल्प 2 सही है।
- कालदास: एक प्रसिद्ध संस्कृत कवि और नाटककार, जिन्हें प्राचीन भारत के महानतम साहित्यकारों में से एक माना जाता है। अतः विकल्प 3 सही है।
- वररुचि: यह व्याकरणशास्त्री होने के साथ संस्कृत के वदिवान थे।
- वेतालभट्ट: वेतालभट्ट एक जादूगर थे।

Question 78:

प्राचीन भारतीय इतिहास में प्रयुक्त शब्द 'वदिथ' का अभिप्राय है?

1. आर्थिक, सामाजिक और सैन्य उद्देश्यों हेतु वैदिक काल की लोक सभा।
2. ब्रह्मांड के निर्माता को संदर्भित करने के लिये जैन धर्म में प्रयुक्त एक शब्द।
3. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कृषि से संबंधित देवता।
4. वास्तविकता की परम प्रकृति के उल्लेख से संबंधित बौद्ध शब्द।

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

सभा और समिति:

- 'सभा' शब्द ऋग्वैदिक काल में एक समूह को संदर्भित करता था। 'जन' के बड़े सदस्यों द्वारा 'सभा' में भाग लिया जाता था। इस सभा में 'सभावती' के

- नाम से जानी जाने वाली महिलाओं द्वारा भी भाग लिया जाता था। हालाँकि उत्तर वैदिक काल में महिलाओं ने 'सभा' में भाग लेना बंद कर दिया था।
- 'सभा' में संगीत, नृत्य और जादू-टोना के साथ-साथ जुआ भी खेला जाता था। इस सभा द्वारा प्रशासनिक और न्यायिक कार्य किये जाने के साथ दैनिक जीवन के मामलों पर चर्चा की जाती थी।
 - लोगों की सभा में किये जाने वाले राजनीतिक कार्य और वचिार-वमिर्श को 'समति' द्वारा नषिपादति कयिा जाता था। राजनीतिक कार्य के अलावा 'समति' दार्शनिक मुद्दों पर भी चर्चा करती थी। सभा में प्रार्थना और धार्मिक समारोह प्रमुख वषिय के रुप में शामिल होते थे। हालाँकि इस सभा को पूर्व वैदिक काल के अंत में जाकर महत्त्व मलिा।

वदिथ:

- यह सबसे पुरानी जनजातीय सभा थी। ऋग्वेद में 'वदिथ' शब्द का 122 बार उल्लेख हुआ है और इसलिये यह सबसे महत्त्वपूर्ण सभा परतीत होती है। इस सभा का उद्देश्य धर्मनरिपेक्ष, सैन्य, आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक उद्देश्यों के लयि नरिणय लेना था। इन सभाओं में महिलाओं की समान भागीदारी थी।
- वभिन्नि कुलों और कबीलों ने अपने देवताओं की पूजा के लयि 'वदिथ' का एक सामान्य आधार के रूप में इस्तेमाल कयिा था। अतः वकिल्प A सही है।

Question 79:

नमिन्लखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

चोल साम्राज्य के दौरान वभिन्नि कर	संबंधति क्षेत्तर
1. तत्तर पट्टम	सुनारों पर कर
2. वन्नार पराई	धोबयिों पर कर
3. पसपित्तम	मछली पकड़ने पर आरोपति कर

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीन युगम
4. इनमें से कोई भी युगम नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- स्थानीय करों में कई प्रकार के कर शामिल थे, जनिमें गाँव और नाडु स्तर पर सचिाई श्रम पर (वेट्टी/वेट्टनाई) सबसे लोकप्रयि था।
- व्यापार और कारीगरों पर लगने वाले अनेक कर मौजूद थे, जनिमें शामिल हैं:
 - कुंकम (एक टोल), तत्तर पट्टम (सुनार पर कर)। अतः युगम 1 सही सुमेलति है।

- कुराई काकू (कपड़े पर कर)
- वेरलाई (पान के पत्तों पर शुल्क)
- वन्नार पराई (धोबियों पर कर) । अतः युगम 2 सही सुमेलति है ।
- पसपित्तम (मछली पकड़ने पर लगने वाला कर) । अतः युगम 3 सही सुमेलति है ।

Question 80:

प्राचीन भारत के नमिनलखिति बंदरगाहों पर वचिार कीजयि:

1. कोरकई
2. कावेरीपट्टनम
3. टोंडी

उपरयुक्त में से कौन पांड्य साम्राज्य से संबंधति था/थे?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 3
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

पांड्य: इसमें आधुनकि तरिनेलवेली, मदुरै, रामनाद ज़लि और दक्षणि तरावणकोर शामिल थे ।	राजधानी: मदुरै	बंदरगाह: कोरकई अतः वकिल्प 1 सही है ।
चोल: इसमें तमलिनाडु के आधुनकि तंजौर और तरिचिरापल्ली ज़लि शामिल थे ।	राजधानी: उरैयुर	बंदरगाह: कावेरीपट्टनम अतः वकिल्प 2 सही नहीं है ।
चेर: इसमें मुख्य रूप से केरल तट शामिल था ।	राजधानी: करुवर	बंदरगाह: टोंडी अतः वकिल्प 3 सही नहीं है ।

Question 81:

नमिनलखिति अभलिखों पर वचिार कीजयि:

1. रुमुमनिदेई स्तंभ अभलिख
2. नगिलीसलगर स्तंभ अभलिख
3. सलरनलथ सहि शीरष अभलिख

उपरोकुत में से कौन लघु स्तंभ अभलिख है/हैं?

1. केवल 1 और 3
2. केवल 1 और 2
3. केवल 2
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 2

Explanation

उतुतर: B

वुयलखुयल:

- लघु स्तंभ अभलिख:
 - रुमुमनिदेई स्तंभ अभलिख: अशुक की लुंबनी यलतुरल तथल लुंबनी कु कुर से छुट कल वलरिण । अतु: वकिलुप 1 सही है ।
 - नगिलीसलगर स्तंभ अभलिख, नेपल: इसमें उलुलेख है क अशुक ने बुदुध कुणकलमनल के सुतुप की ऊँचलई कु दुगुनल करवलल थल । अतु: वकिलुप 2 सही है ।
- परमुख स्तंभ शलिललेख:
 - सलरनलथ सहि स्तंभ: इसे वलरलणसी के पलस अशुक दुवलरल धमुमचकरुपरवरुतन यल बुदुध के परथम उडदेश की समृतुतुमें बनलल गल थल । अतु: वकिलुप 3 सही नहीं है ।

Question 82:

नमिनलखिति युगुमों पर वचिार कीजयि:

महलजनडद	रलजधलनी
1. अंग	कुशुलंबी
2. कुसल	वैशलली
3. वतुस	चंपल

उपरुयुकुत में से कतुने युगुम सही सुमेलतुतु हैं?

1. केवल एक युग
2. केवल दो युग
3. सभी तीन युग
4. इनमें से कोई भी नहीं

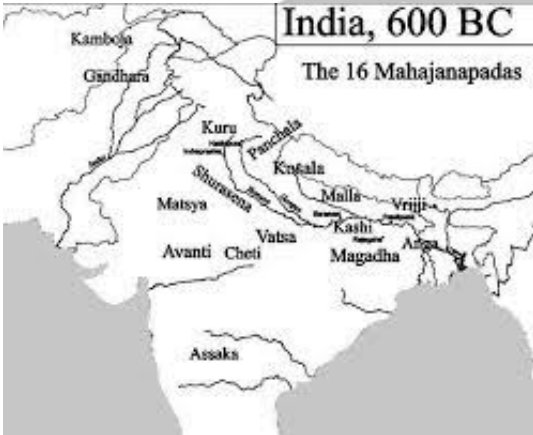
Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- **अंग:** अंग, मगध के पूर्व और राजमहल पहाड़ियों के पश्चिम में स्थित था। इसकी राजधानी चंपा थी। यह वर्तमान बिहार के मुंगेर और भागलपुर के जिलों में स्थित है। **अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- **कोसल:** शतपथ ब्राह्मण कोसल महाजनपदों का वर्णन देता है। इसकी राजधानी श्रावस्ती, मगध के उत्तर-पश्चिम में स्थित, वर्तमान पूर्वी उत्तर प्रदेश के नजदीक स्थित थी। **अतः युग 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **वत्स:** वत्स ऋग्वैदिक काल का प्रतीक होता है। ऐसा कहा जाता है कि यह कौरवों की एक शाखा थी, जो हस्तनिपुर से स्थानांतरित होकर कौशांबी में बस गई थी। **अतः युग 3 सही सुमेलित नहीं है।**



Question 83:

‘भारतीय ऋग्वैदिक संस्कृति’ के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वशिष्ठ ने गायत्री मंत्र की रचना की।
2. शूद्र शब्द का उल्लेख ऋग्वेद में मिला है।
3. ऋग्वेद में सबसे महत्वपूर्ण देवता अग्नि है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 2
3. केवल 1 और 2
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- ऋग्वैदिक काल में राजा की सहायता पुरोहित करते थे। ऋग्वैदिक काल में जनि दो पुरोहितों ने प्रमुख भूमिका नभाई वे वशाषिठ और वशिवामतिर थे। वशाषिठ रूढ़िवादी थे और वशिवामतिर उदारवादी थे। वशिवामतिर ने आर्य जगत को व्यापक बनाने के लिये गायत्री मन्त्र की रचना की। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- ऋग्वैदिक काल में जनजातीय समाज ईरान की तरह ही तीन व्यावसायिक समूहों, योद्धाओं, पुजारियों और आम लोगों में विभाजित था। शूद्र शब्द का उल्लेख पहली बार ऋग्वेद में उसकी दसवें अध्याय में किया गया है, जो इसको सबसे अंतिम में जोड़ा गया है। अतः कथन 2 सही है।
- ऋग्वेद में सबसे महत्त्वपूर्ण देवता इंद्र हैं, जिन्हें पुरंदर या आवास इकाइयों (dwelling units) का वधिवंसक कहा जाता है। दूसरा स्थान अग्नि का है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

Question 84:

महापाषाणकालीन संरचना के प्रकारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. डोलमेन एक महापाषाण संरचना है जो दो या दो से अधिक सहायक पत्थरों पर एक बड़े कैपस्टोन को रखकर बनाई गई है, जिसमें नीचे एक कक्ष होता है।
2. सिस्ट एक छोटे पत्थर से निर्मित ताबूत जैसा बॉक्स या अस्थि-पेटी है जिसका उपयोग मृतकों के शवों को रखने के लिये किया जाता है।
3. स्टोन सर्कल्स या पत्थर के घेरे को आमतौर पर "क्रॉमलेक (Cromlechs)" कहा जाता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- **डोलमेन:** डोलमेन एक महापाषाण संरचना है जो दो या दो से अधिक सहायक पत्थरों पर एक बड़े कैपस्टोन को रखकर बनाई जाती है, जो नीचे एक कक्ष बनाती है, कभी-कभी यह तीन तरफ से बंद होती है। इसका अक्सर मकबरे या समाधिकक्ष के रूप में उपयोग किया गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- **ससिट:** ससिट एक छोटा पत्थर से निर्मित ताबूत जैसा बॉक्स या अस्थि-पेटी है जिसका उपयोग मृतकों के शवों को रखने के लिये किया जाता है। इस प्रकार की अंत्येष्टिप्रक्रिया पूरी तरह से भूमिगत थी। ये एकल और बहु-कक्षीय ससिट थे। **अतः कथन 2 सही है।**
- **स्टोन सर्कल्स:** स्टोन सर्कल्स या पत्थर के घेरे को आमतौर पर "क्रॉमलेक" (वेलश भाषा का शब्द) कहा जाता है। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 85:

नमिन्लखित स्थलों पर वचिार कीजयि:

1. मेहरगढ़
2. बुरजहोम
3. चरिंद

उपरयुक्त में से कौन-से नवपाषाणकालीन स्थल हैं?

1. केवल 1 और 3
2. केवल 1 और 2
3. केवल 2
4. 1, 2 और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- **नवीन पाषाण युग या नवपाषाण युग** की शुरुआत 9,000 ईसा पूर्व में हुई थी। भारतीय उपमहाद्वीप में एकमात्र ज्ञात नवपाषाणकालीन बस्ती, जिसका

नरिमाण 7,000 ईसा पूरव का माना जाता है, मेहरगढ में स्थति है, जो पाकसितान के एक प्रांत बलूचसितान में स्थति है। अतः वकिल्प 1 सही है।

- उत्तरपश्चमि में, कश्मीरी नवपाषाण संस्कृति को उसके आवासीय गड्डों, चीनी मटिटी की वसित्त शृंखला, पत्थर और हड्डी के औज़ारों की वविधिता तथा माइक्रोलिथि की पूरण अनुपस्थति द्वारा प्रतषिठति कया गया था। इसका सबसे महत्त्वपूर्ण स्थल **बुरज़होम** है, जसिका अर्थ है- 'श्रीनगर से 16 कमी. उत्तर-पश्चमि में स्थति बर्च का स्थान'। अतः वकिल्प 2 सही है।
- भारत में दूसरी जगह जहाँ हड्डियों के काफी औज़ार मलि हैं, वह है- **चरिंद**, जो गंगा के उत्तरी तट पर पटना से 40 कमी. पश्चमि में स्थति है। अतः वकिल्प 3 सही है।

Question 86:

हड़प्पा पुरातत्व के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचारि कीजयि:

1. ए. कनघिम को वर्ष 1853 में हड़प्पन मुहर की खोज।
2. जॉन मार्शल द्वारा वर्ष 1931 में मोहनजोदड़ों की खुदाई कराई गई।
3. मोरीटमिर व्हीलर द्वारा वर्ष 1946 में हड़प्पा स्थल की खुदाई कराई गई।

उपरयुक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

हड़प्पा पुरातत्व का कालक्रम

(वर्ष)

- 1853 ए. कनघिम द्वारा हड़प्पाकालीन मुहर की खोज। अतः कथन 1 सही है।
- 1921 दया राम साहनी द्वारा हड़प्पा स्थल की खुदाई कराई गई।
- 1931 जॉन मार्शल के द्वारा मोहनजोदड़ों की खुदाई कराई गई। अतः कथन 2 सही है।
- 1938 मैके के द्वारा उसी आकार की खुदाई कराई गई।
- 1940 वत्स के द्वारा हड़प्पा स्थल की खुदाई कराई गई।
- 1946 मॉर्टमिर व्हीलर के द्वारा हड़प्पा स्थल की खुदाई कराई गई। अतः कथन 3 सही है।

Question 87:

जलीकट्टू के बारे में नमिनलखिति में से कतिने कथन सही हैं/है?

1. यह सांडों को वश में करने का एक खेल है जो तमलिनाडु में पोंगल उत्सव के एक भाग के रूप में प्रचलति है ।
2. भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पशु क्रूरता के आधार पर इसे प्रतबिधति कर दिया गया है ।
3. इसका उल्लेख प्राचीन तमलि महाकाव्य शलिप्पादकिरम में मलिता है ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- जलीकट्टू सांडों को वश में करने का एक पारंपरिक खेल है जिसमें प्रतभागी सांड के कूबड़ को पकड़कर उस पर लटकने का प्रयास करते हैं जबकि सांड भागने की कोशशि करता है ।
 - यह तमलिनाडु में जनवरी के दूसरे सप्ताह में फसल उत्सव पोंगल के दौरान मनाया जाता है । अतः कथन 1 सही है ।
- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड और अन्य पशु अधिकार समूहों की एक याचिका के बाद, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पशु क्रूरता के आधार पर 2014 में जलीकट्टू पर प्रतबिध लगा दिया था ।
- हालाँकि 2017 में तमलिनाडु सरकार ने जलीकट्टू को अनुमति देने के लयि एक अध्यादेश पारति कयि, जसि बाद में 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा । अतः कथन 2 सही नहीं है ।
- जलीकट्टू का संदर्भ तमलि साहित्य के पाँच महान महाकाव्यों में से एक शलिप्पादकिरम में वर्णति है, जो संगम काल (300 ईसा पूर्व) में लिखा गया था । अतः कथन 3 सही है ।

Question 88:

मेदाराम जथारा के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कजियि:

1. मेदाराम जथारा वशि्व की सबसे बड़ी जनजातीय धार्मकि सभा है, जो मेदाराम में द्वविर्षकि (प्रत्येक दो वर्ष में) रूप से 'माघ' (फरवरी) महीने में पूरणमि के दनि आयोजति की जाती है ।

2. मेदाराम जथारा जनजातीय देवी-देवताओं सम्मक्का और सरलम्मा की वीरता की याद दलाता है, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 2
3. 1 और 2 दोनों
4. न तो 1 और न ही 2

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- मेदाराम जथारा (मुख्य रूप से कोया जनजाति द्वारा मनाया जाता है) विश्व की सबसे बड़ी जनजातीय धार्मिक सभा है जिसे द्विवार्षिक (दो वर्ष में एक बार) रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें मेदाराम में 'माघ' (फरवरी) के महीने में पूरणिमा के दिन इस चार दिवसीय महोत्सव पर लगभग 10 मिलियन लोग एकत्रित होते हैं। अतः कथन 1 सही है।
 - मेदाराम तेलंगाना के एतुरनगरम वन्यजीव अभयारण्य में एक दूरस्थ स्थान है।
- मेदाराम जथारा जनजातीय देवी-देवताओं सम्मक्का और सरलम्मा की वीरता की याद दलाता है, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अतः कथन 2 सही है।
 - यह एक ऐसा त्योहार है जिसका कोई वैदिक या ब्राह्मण प्रभाव नहीं है।
 - बाघों के समूह के बीच एक नवजात शिशु के रूप में पाई गई सम्मक्का बड़ी होकर एक आदिविषी मुखिया बन गई और उसने पगदिदिदा राजू (काकतीय सामंती प्रधान) से विवाह किया, जिनकी दो पुत्रियाँ, सरक्का व नागुलम्मा तथा जम्पन्ना नाम का एक पुत्र था।
 - जथारा के दौरान लोग देवी-देवताओं को अपने शारीरिक भार के बराबर मात्रा में गुड़ के रूप में बांगरम (स्वर्ण) चढ़ाते हैं और जम्पन्ना वागु (धारा) में पवित्र स्नान करते हैं।

Question 89:

भारत में अजंता गुफाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अजंता, वर्धा नदी पर सहयाद्री पर्वतमाला में चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं की एक श्रृंखला है।
2. अजंता की गुफाओं का निर्माण वाकाटक राजाओं के संरक्षण में किया गया था।
3. अजंता की गुफाओं के चित्रों में नीले रंग की अनुपस्थिति इसकी एक उल्लेखनीय विशेषता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

1. केवल एक

2. केवल दो
3. सभी तीनों
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- अजंता गुफाएँ, महाराष्ट्र में औरंगाबाद के पास वाघोरा नदी के समीप सह्याद्री पर्वतमाला में चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं की एक शृंखला है। यहाँ कुल 29 गुफाएँ हैं जिनमें से 25 का उपयोग वहिर या आवासीय गुफाओं के रूप में किया जाता था जबकि अन्य का चैत्य या प्रार्थना कक्ष के रूप में उपयोग किया जाता था। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- अजंता की गुफाओं का निर्माण वाकाटक राजाओं के संरक्षण में किया गया था। अतः कथन 2 सही है।
- इन गुफाओं की आकृतियाँ फ्रेस्को पेंटिंग तकनीक का उपयोग करके बनाई गई थीं और यह प्रकृतविद को प्रदर्शित करती हैं। इनके रंग स्थानीय वनस्पतियों और खनजिों से प्राप्त प्रेरित थे। इन चित्रों की बाहरी रेखा लाल रंग से बनाई गई और फरि भीतरी भाग को चित्रित किया गया। इन चित्रों में नीले रंग की अनुपस्थिति इनकी एक प्रमुख विशेषता है। अतः कथन 3 सही है।

Question 90:

'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका पूर्व नाम राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार था।
2. यह युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है।
3. पहले वज्रिता शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद थे।

नीचे दिये गए कूट के अनुसार सही उत्तर का चुनाव कीजिये:

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 1
4. 1,2 और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- वर्ष 2021 में सरकार ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदल दिया। अतः कथन 1 सही है।
- यह चार साल की अवधि में कसिी खलिाडी द्वारा खेल के क्षेत्र में शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। अतः कथन 2 सही है।
- इस पुरस्कार में एक पदक, एक प्रमाण पत्र और 7.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है।
- खेल रत्न पुरस्कार वर्ष 1991-1992 में स्थापति किया गया था और पहले प्राप्तकर्त्ता शतरंज के दगिगज वशि्वनाथन आनंद थे। अतः कथन 3 सही है।
 - अन्य वजिताओं में लयिंडर पेस, सचनि तेंदुलकर, धनराज पलिर्ई, पुलेला गोपीचंद, अभनिव बदिरा, अंजू बाँबी जॉर्ज, मैरी कॉम और रानी रामपाल हैं।

Question 91:

नमिंनलिखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

धार्मकि संप्रदाय	संस्थापक
1. लगिायतवाद	बसवन्ना
2. नाथपंथ	गोरखनाथ
3. आजीवक	मकखलि गोशाल

उपरयुक्त में से कतिने युगम सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 3

Explanation

उत्तर: C

व्याख्या:

- लगिायतवाद: इसे वीरशैववाद के रूप में भी जाना जाता है, यह एक वशिषिट शैव परंपरा है जसिमें लगि के रूप में भगवान शवि पर केंद्रति पूजा के माध्यम से

एकेश्वरवाद में विश्वास किया जाता है। इसमें वेदों के अधिकार और जात व्यवस्था को अस्वीकार किया गया है। इस परंपरा की स्थापना 12वीं शताब्दी ईस्वी में बसवन्ना द्वारा की गई थी। अतः युग 1 सही सुमेलित है।

- **नाथपंथी:** जनिहें सदिध सदिधांत के रूप में भी जाना जाता है, इस पंथ के लोग गोरखनाथ और मत्स्येन्द्रनाथ की शक्तिषाओं का पालन करते हैं तथा शवि के एक रूप आदनाथ की पूजा करते हैं। वे कसिी के शरीर को पूरण वास्तवकिता के साथ जागृत करने हेतु हठ योग की तकनीक में विश्वास रखते हैं। अतः युग 2 सही सुमेलित है।
- **आजीवक:** इस संप्रदाय की स्थापना 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में मकखलगिशाल ने की थी। यह नयितवाद (भाग्य) सदिधांत के इरद-गरिद घूमता है। इसका मानना है कि कोई स्वतंत्र इच्छा नहीं है और जो कुछ भी हुआ है या हो रहा है या होगा वह पूरी तरह से पूर्व नरिधारति है एवं ब्रह्मांडीय सदिधांतों पर आधारति है। अतः युग 3 सही सुमेलित है।

Question 92:

नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

साहित्य	लेखक
1. मुद्राराक्षस	शूद्रक
2. मृच्छकटकिम्	वशिखदत्त
3. मालवकिाग्नमितिर्म्	कालदिस

उपरयुक्त में से कतिने युगम सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युगम
2. केवल दो युगम
- 3.) सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- **मुद्राराक्षस:** यह एक राजनीतिक नाटक है और इसमें भारत में राजा चंद्रगुप्त मौर्य के सत्ता में आने का वर्णन किया गया है। इसे वशिखदत्त ने लिखा था। अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।
- **मृच्छकटकिम्:** इसमें युवा ब्राह्मण चारुदत्त और धनी वैश्या के प्रेम प्रसंग को दर्शाया गया है। इसे शूद्रक द्वारा लिखा गया था। अतः युग 2 सही सुमेलित नहीं है।
- **मालवकिाग्नमितिर्म्:** यह रानी की दासी मालविका और पुष्यमतिर शुंग के पुत्र अग्नमितिर् की प्रेम कहानी है। इसे कालदिस द्वारा लिखा गया था। अतः युग 3 सही सुमेलित है।

Question 93:

जैन धर्म के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. महावीर, जैन धर्म के संस्थापक थे ।
2. इसमें आत्मा के अस्तत्वि को स्वीकार नहीं कयिा गया है ।
3. स्थानकवासी और मूरत्पूजक जैन धर्म के अंतरगत दर्गिबर संप्रदाय के उपसंप्रदाय हैं ।

उपर्युक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

जैन धर्म का कोई एक संस्थापक नहीं है बल्कि अलग-अलग समय में गुरु या तीर्थंकर के माध्यम से इसका प्रसार कयिा गया ।

- महावीर से पहले जैन धर्म में **23 तीर्थंकर** या महान वदिवान पुरुष थे । यह आमतौर पर गलत धारणा है कि महावीर जैन धर्म के संस्थापक थे, इसके बजाय वह अंत्तमि और 24वें तीर्थंकर थे । **अतः कथन 1 सही नहीं है ।**
- जैन धर्म में बौद्ध धर्म की तरह वेदों की सत्ता को अस्वीकार कयिा गया । हालाँकि बौद्ध धर्म के विपरीत, इसमें आत्मा के अस्तत्वि में विश्वास कयिा गया है । आत्मा, जैन दर्शन का मूल और मौलिक केंद्र बदि है । इनके अनुसार आत्मा अस्तत्वि का अनुभव कराने के साथ ज्ञान प्राप्त कराने में **सहायक है । अतः कथन 2 सही नहीं है ।**
- जैन धर्म की दो प्रमुख प्राचीन उपपरंपराएँ हैं:
 - **दर्गिबर** (उप-संप्रदायों में **तेरापंथी**, **तारनपंथी** तथा **बीसपंथी** शामिल हैं) ।
 - **श्वेतांबर** (उप-संप्रदायों में **स्थानकवासी** और **मूरत्पूजक** शामिल हैं) । **अतः कथन 3 सही नहीं है ।**

Question 94:

हीनयान बौद्ध धर्म के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. इसका तात्पर्य 'बड़ा पहयिा' है ।
2. इसके अनुयायी व्यक्तगित नरिवाण प्राप्त में विश्वास करते हैं और आत्म-अनुशासन के माध्यम से इसे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं ।

3. स्थावरिवाद, हीनयान के उपसंप्रदायों में से एक है।

उपर्युक्त में से कतिने कथन सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

हीनयान:

- इसका तात्पर्य 'छोटा पहिया' है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- इस संप्रदाय में बुद्ध के मूल अनुयायी शामिल हैं। यह काफी हद तक एक रूढ़िवादी संप्रदाय है।
- वे बुद्ध की मूर्त्ता पूजा में विश्वास नहीं करते थे।
- वे व्यक्तगित मोक्ष में विश्वास करने के साथ आत्म-अनुशासन एवं ध्यान के माध्यम से व्यक्तगित नरिवाण प्राप्त करने का प्रयास करते थे। अतः कथन 2 सही है।
- इस प्रकार हीनयान का अंतमि लक्ष्य नरिवाण है।
- हीनयान के उपसंप्रदायों में से एक स्थावरिवाद या थेरवाद है। अतः कथन 3 सही है।
- हीनयान के अनुयायियों ने लोगों के साथ बातचीत करने के लिये पाली भाषा का उपयोग किया।
- सम्राट अशोक ने हीनयान संप्रदाय को संरक्षण दिया क्योंकि महायान संप्रदाय बहुत बाद में अस्तित्व में आया।
- हीनयान संप्रदाय अपने मूल स्वरूप में वर्तमान समय में लगभग अस्तित्वहीन है।

Question 95:

नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. इंडो-पार्थयिन शासक गॉडोफर्नेस के शासनकाल के दौरान सेंट थॉमस भारत आया था।
2. गॉडोफर्नेस अराकोसथिया, काबुल और गांधार के कषेत्रों (जो वर्तमान में अफगानसिस्तान और पाकसिस्तान में हैं) का शासक था।
3. सेंट थॉमस को भारत में ईसाई धर्म लाने का श्रेय दिया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2, और 3

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- इंडो-पार्थियन शासक गोंडोफर्नेस के शासनकाल के दौरान सेंट थॉमस भारत आया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- गोंडोफर्नेस अराकोसिया, काबुल और गांधार के क्षेत्रों (जो वर्तमान में अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हैं) का शासक था। सकिर्कों और अभलिखों से इसके बारे में जानकारी मिलती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- ईसा मसीह के अनुयायियों ने ईसाई धर्म को वशिष्ठ के विभिन्न हिस्सों में फैलाना शुरू किया। यीशु के बारह अनुयायियों में से एक, सेंट थॉमस ने भारत की यात्रा की और यहाँ पर ईसाई धर्म का प्रसार किया था। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 96:

भारत के मध्यकालीन इतिहास के संबंध में 'फना' शब्द का तात्पर्य है:

1. भक्तों का अल्लाह के साथ आध्यात्मिक विलय
2. युद्ध में मृत्यु
3. आदर्श मानव
4. दान

Correct Answer : 1

Explanation

उत्तर: A

व्याख्या:

- 'फना' सूफीवाद का शब्द है, जो एक रहस्यमयी इस्लामी विश्वास प्रथा है, यह भक्त की आध्यात्मिक अवधारणा को संदर्भित करता है, जो पूर्ण और निःस्वार्थ रूप से ईश्वर के साथ आध्यात्मिक वलिय की स्थिति को प्राप्त करता है। **अतः विकल्प A सही है।**

Question 97:

कबीर दास के संदर्भ में नमिन्लखित कथनों पर वचिार कीजयि:

1. वे माधवाचार्य के शषिय थे ।
2. वे सगुण काव्य धारा संत थे ।
3. उनकी रचनाएँ प्रसदिध पुस्तक "बीजक" में संकलति हैं ।

उपरयुक्त में से कतिने कथन सही नहीं हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीन
4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

कबीर दास (1440-1510 ई.) का परिचय:

- वह भक्ति आंदोलन के दौरान रामानंद के शषिय थे। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- वह भक्ति आंदोलन की निरिगुण काव्य धारा के संत थे और उन्होंने हदू तथा इस्लाम जैसे प्रमुख धर्मों के रूढ़िवादी वचिारों की खुले तौर पर आलोचना की। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- उनकी कवलिओं को "बानी" (उच्चारण) या 'दोहे' कहा जाता है। उनकी रचनाएँ प्रसदिध पुस्तक "बीजक" में संकलति हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

Question 98:

नमिन्लखित कथनों पर वचिार कीजयि:

3. सभी तीन

4. इनमें से कोई भी नहीं

Correct Answer : 2

Explanation

उत्तर: B

व्याख्या:

- स्याद्वाद (शायद/संभावना का सदिधांत) के अनुसार, हमारे सभी नरिणय सापेक्ष, सशर्त और सीमति होते हैं। इसके अनुसार, भवषियवाणी के सात तरीके उपलब्ध हैं। पूर्ण पुष्ट और पूर्ण नषिध दोनों गलत हैं। सभी नरिणय सशर्त होते हैं। अतः कथन 1 सही है।
- जैन धर्म का मुख्य उद्देश्य सांसारिक बंधनों से मुक्ति प्राप्त करना है। इसके अनुसार ऐसी मुक्ति के लिए किसी अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं है। इसे सम्यक ज्ञान, सम्यक विश्वास और सम्यक कर्म के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इन तीनों को जैन धर्म के तीन रत्न या तररित्तन माना जाता है। अतः कथन 2 सही है।
- जैन धर्म में ईश्वर के अस्तित्व को मान्यता दी गई है लेकिन उन्हें जनि से नीचे माना गया है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

Question 100:

नम्निलखित युगों पर वचिार कीजयि:

बोधसित्व	प्रतनिधित्व
1. वजरपाणि	ध्यानी-बोधसित्व
2. मंजुशरी	भवषिय के बुद्ध
3. मैत्रेय	पाप और बुराई का शत्रु

उपरयुक्त में से कतिने युग सही सुमेलति हैं?

1. केवल एक युग
2. केवल दो युग
3. सभी तीन युग
4. इनमें से कोई भी युग नहीं

Correct Answer : 4

Explanation

उत्तर: D

व्याख्या:

- बोधसित्त का आशय ऐसे प्रबुद्ध प्राणी से है जिन्होंने दूसरों को ज्ञान प्राप्त करने में मदद करने के लिये अपनी स्वर्ग प्राप्ति में वलिंब किया है। कई अलग-अलग बोधसित्त हैं।
- वज्रपाणि: वज्रपाणि महायान बौद्ध धर्म में सबसे पहले के बोधसित्तों में से एक हैं। वह पाप और बुराई के दुश्मन के रूप में वज्र धारण करते हैं। अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।
- मंजुश्री (समझ के प्रेरक): मंजुश्री महायान बौद्ध धर्म में उत्कृष्ट ज्ञान से संबंधित एक बोधसित्त है। उन्हें कभी-कभी ध्यानी-बोधसित्त के रूप में जाना जाता है। अतः युग 2 सही सुमेलित नहीं है।
- मैत्रेय: भवषिय के बुद्ध। अतः युग 3 सही सुमेलित नहीं है।
- अवलोकितेश्वर: इन्हें पद्मपाणि के नाम से भी जाना जाता है।
- क्षतिगिरभ: नश्वर लोगों के संरक्षक।
- अमतिभ: स्वर्ग के बुद्ध।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/print-quiz/5313>

